

हरिभूमि मिवाणी-दादरी भूमि

रोहक, रविवार, 28 दिसंबर 2025

12 दस किलोमीटर लंबी डाली जाएगी सीमेंट की 24 इंची पाइप लाइन



12 250 खिलाड़ियों में से चुने गए 30 सर्वश्रेष्ठ खिलाड़ी



**SURAJ
EDUCATION**

SURAJ GROUP OF SCHOOLS



announces

Sunday
25
Jan. 2026

ADMISSION CUM SCHOLARSHIP TEST

FOR CLASSES -
1st to 12th

All Campuses
at 11:00 am

OUR DOCTORS

 AIIMS Bilaspur NEHA Mrs. KRIPA & Mr. AMARJEET	 AIIMS Gorakhpur GAURAV Mrs. PRIYANKA & Mr. VISHNU	 AIIMS Vijaypur, Jammu MAYANK Mrs. PAVITA DEVI & Mr. DEV PRAKASH	 AIIMS Guwahati DEEPANSHU Mrs. PINKY DEVI & Mr. NAVEEN
 AKANSHA PRIYANSHU Mrs. SANTOSH DEVI & Mr. DHIRU YADAV	 KHUSHI Mrs. POONAM DEVI & Mr. KULDEEP	 RUCHI Mrs. ANITA & Mr. PARVEEN	 DEEPIKA ANAND Mrs. SUNITA & Mr. VIKAS
 MEHA Mrs. SUNITA & Mr. AJAY	 NIKHIL Mrs. SANJAY DEVI & Mr. RAKESH	 MANISH K SAINI Mr. HORILAL SAINI	 RUBAAB KHAN Mrs. ANNA & Mr. MUSAQIB
 RIDHI GARG Mrs. ANJAY KUMAR GARG	 PRINCE Mrs. ANSHU SHARMA & Mr. YASHIK SHARMA	 SAMEHA YADAV Mrs. PAWAN KUMARI & Mr. MUKESH KUMAR	 ADNAN Mrs. KHURIDAN & Mr. MOHD IQBAL

OUR IITIANS

 IIT BANGALURU MANVIK K GUPTA Mrs. RATNA GUPTA & Mr. MANOJ K GUPTA	 IIT GUWAHATI ADITI YADAV Mrs. SUNITA KUMARI & Mr. KOMAL KUMAR	 IIT DHANBAD HIMANSHI Mrs. BIMLA DEVI & Mr. PAWAN	 IIT MANDI PUSHPRAJ Mrs. PUSHPA YADAV & Mr. RAJKARAN	 IIT PATNA KARISHMA Mrs. SANJAY DEVI & Mr. PAWAN DAHIYA	 IIT ROPAD ADITYA KUMAR Mrs. SUNITA DEVI & Mr. JAIPAL SINGH	 IIT MANDI KALPANA Mrs. SONU & Mr. OMPRAKASH	 NIT ROURKELA IRFAN Mrs. SUSHIL & Mr. SHABIR MOHAMMAD	 IIT INDORE ATUL Mrs. SUNITA & Mr. RAJKUNAR PRAJAPATI	 IIT ROORKEE TEJAL Mrs. SHARDA & Mr. VIJAY CHAND BANSARA
 IIT BHU AYUSHI TIWARI Mrs. SUDHA TIWARI & Mr. VINOD TIWARI	 IIT ROORKEE TANUJ PAL Mrs. BEENA DEVI & Mr. SHIV DUTTA PAL	 IIT SONIPAT PIYUSH KUMAR Mrs. ASHA DEVI & Mr. MUKESH K MEENA	 IIT DHANBAD HIMANSHI Mrs. KAVITA & Mr. JAI SINGH	 IIT GUWAHATI AYUSH Mrs. MUKESH & Mr. RAVINDER	 DTU NIKHIL SHARMA Mrs. PINKI DEVI & Mr. AJAY SHARMA	 NIT KURUKSHETRA NISHITHA Mrs. NAMITA & Mr. PARVEEN KUMAR	 NSUT DELHI LUCKY SINGH YADAV Mrs. BIRMATI YADAV & Mr. GAJENDER S YADAV	 NIT KURUKSHETRA SHIVA Mrs. SUMAN & Mr. INDERPAL	 DTU AVIRAL Mrs. SHEEL KUMARI & Mr. AJAY KUMAR SINGH

सूरज के नवचयनित सीए

CA Final Examination

 C.A. PRATIBHA Mrs. MINAXI & Mr. SUNIL KUMAR	 C.A. TWINKLE SHARMA Mrs. BABITA BHARDWAJ & Mr. SHIVSHANKAR BHARDWAJ	 C.A. TWINKLE Mrs. MEENA SAINI & Mr. SUBHASH CHANDER	 C.A. MUKUL JAIN Mrs. PRACHI JAIN & Mr. MANOJ JAIN	 C.A. POOJA AGARWAL Mrs. SUMAN DEVI & Mr. MANOJ AGARWAL	 C.A. MUSKAN CHHAPOLIYA Mrs. SANJU CHHAPOLIYA & Mr. VIJAY CHHAPOLIYA
---	---	---	---	--	---

C.A. INTERMEDIATE Qualifiers

 GUNGUN Mrs. JYOTI DEVI & Mr. MOHAN LAL	 MONIKA Mrs. SUSHMA & Mr. ASHOK KUMAR	 ANIKET SHARMA Mrs. BABITA DEVI & Mr. BANWINDAS	 ASHISH AGARWAL Mrs. NAMITA DEVI & Mr. MARESH AGARWAL
--	--	--	--

CSEET

 BHARTI Mrs. ASHA & Mr. ROHTASH	 ANSHIKA GUPTA Mrs. NEHA GUPTA & Mr. SHIV BASHU GUPTA	 SALONI YADAV Mrs. PURPILA DEVI & Mr. RAMSARAJ YADAV
--	--	---

C.A. FOUNDATION

 YOGESH ROHILLA Mrs. REHA & Mr. RAJESH KUMAR	 SHUBHAM SHARMA Mrs. RITU SHARMA & Mr. LAKSHYANT SHARMA	 SAKSHI Mrs. SEENA DEVI & Mr. DEVENDER	 RASHI GARG Mrs. SANGEETA GUPTA & Mr. RAJESH GUPTA	 HARSH KUMAR Mrs. SAVITA KUMARI & Mr. ISHWAR YADAV	 RITIKA Mrs. POONAM & Mr. RAJENDER SINGH
---	--	---	---	---	---

 SURAJ SCHOOL CAMPUSES	 SURAJ SCHOOL MAHENDERGARH BUCHOLI ROAD, MAHENDERGARH Tel : 9992715599, 9992716699	 SURAJ SCHOOL REWARI DELHI ROAD, REWARI Tel : 999211451, 9992555815	 SURAJ SCHOOL KOSLI GUDIYANI ROAD, KOSLI Tel : 9050735235, 9053539083	 SURAJ SCHOOL BAWAL SECTOR-2, NEAR NH-8, BAWAL Tel : 8222959801, 9416184252	 SURAJ SCHOOL BHIWADI ALWAR ROAD, BHIWADI Tel : 7230999911, 8222999802	 SURAJ SCHOOL PATAUDI GURUGRAM ROAD, PATAUDI Tel : 8814008822, 8607335533
----------------------------------	--	---	---	---	--	---

 SURAJ SCHOOL GURUGRAM SPR ROAD, SECTOR 75, GURUGRAM Tel : 8222959803, 8222999804	 SURAJ SCHOOL GURUGRAM SECTOR-56, GURUGRAM Tel : 8745912222, 8745913333	 SURAJ SCHOOL NARNAUL 2 ND MILE STONE, NARNAUL Tel : 9053539071, 9053539072	 SURAJ SCHOOL REWARI SECTOR-19, REWARI Tel : 9992668855, 9992668877	 SURAJ SCHOOL DHARUHERA SECTOR 24 - DHARUHERA Tel : 9992114555, 9992115566	 SURAJ SCHOOL MANESAR SECTOR-1 - MANESAR Tel : 9992555966, 9992555967	 SURAJ SCHOOL GURUGRAM SECTOR-52, GURUGRAM Tel : 9992555961, 9992555962
---	---	--	---	--	---	---

Top Rankers...

CLAT EXAM 2025

 DIVYA KHANNA Mrs. Sharda Devi & Mr. Mukesh Kumar	 JHANVI Mrs. Shikha Mittal & Mr. Sohan Lal	 ASHNA Mrs. Santosh Devi & Mr. Anil Kumar	 USHA Mrs. Rajkumari & Mr. Anup Singh
 TANISHA Mrs. Babil & Mr. Vijay Kumar	 KHUSHI Mrs. Anita & Mr. Surender	 DRISHTI Mrs. Ritu & Mr. Vinay Kumar	 DEEPANSHI Mrs. Yogita & Mr. Mukesh Kumar

NDA

Written Examination

 PRINCE KUMAR	 NISHANT	 NIKHIL	 HARSH YADAV
-------------------------	--------------------	-------------------	------------------------

Qualifiers

 Mrs. ANITA DEVI & Mr. ANIL KUMAR	 Mrs. ANUJA & Mr. JOGINDER SINGH	 Mrs. REKHA & Mr. RAJ SINGH	 Mrs. SAROJ BALA & Mr. DINESH KUMAR
--------------------------------------	-------------------------------------	--------------------------------	--

 TARUN Mrs. PUSHPA & Mr. RAKESH	 AVIRAL Mrs. SHEEL KUMARI & Mr. AJAY KUMAR	 HARSH KUMAR Mrs. POONAM KUMARI & Mr. DEEPAK	 SOHAM KUCHHAL Mrs. PAYAL RANI & Mr. SURYAKANT	 PANKAJ YADAV Mrs. RAJ BALA & Mr. INDERJEET
--	---	---	---	--

CBSE RESULT Class - 12th

Above 95% 26	Above 85% 270	Above 75% 662
------------------------	-------------------------	-------------------------

SUPERB SELECTIONS 2025

300+ NEET (UG)	280+ JEE MAINS	65+ IIT-JEE ADVANCED	90+ NDA WRITTEN	55 CA FOUNDATION & INTERMEDIATE
--------------------------	--------------------------	--------------------------------	---------------------------	---

Providing Special facility for best preparation of
JEE / NEET / NDA / CA-CPT / CLAT
A.C. HOSTEL facility for boys & girls separately
at **MAHENDERGARH CAMPUS**

प्रकाशमय कल के लिए

इस साल लार्ज कैप फंड रहे विनर लेकिन स्मॉल कैप ने क्रिया निराश

■ लार्ज कैप ने निवेशकों को बेहतर सुरक्षा दी ■ रिटर्न के मामले में भी बाकी श्रेणी को पीछे छोड़ा ■ साल 2025 में बाजार में रहा उतार-चढ़ाव

हलवल @2025
बिजनेस डेस्क

साल 2025 ने म्यूचुअल फंड निवेशकों को एक साफ संदेश दिया है कि स्थिरता ही असली ताकत है। सालभर बाजार में उतार-चढ़ाव और सेक्टरल रोडेशन के बीच लार्ज कैप म्यूचुअल फंड्स ने निवेशकों को न सिर्फ बेहतर सुरक्षा दी, बल्कि रिटर्न के मामले में भी बाकी कैटेगरी को पीछे छोड़ दिया। जहां लार्ज कैप फंड्स ने एक साल में औसतन 8.15% का रिटर्न दिया, वहीं स्मॉल कैप फंड्स निवेशकों के लिए सबसे बड़ी निराशा साबित हुए। यह साफ करता है कि 2025 में क्वालिटी, साइज और बैलेंस शीट की मजबूती हर मायने में हाई-रिस्क कैटेगरी पर भारी है। कैटेगरी वाइज देखें तो लार्ज एंड मिड कैप फंड, मल्टी कैप और मिडकैप फंड्स 2-3% के दायरे में ही सिमट गए, जबकि टेक्नोलॉजी सेक्टर फंड्स में 6.79% की गिरावट ने निवेशकों को उम्मीदों को झटका दिया। इसके उलट बैंकिंग और ऑटो-ट्रांसपोर्टेशन जैसे सेक्टरल फंड्स ने 17% से ज्यादा का दमदार रिटर्न दिया, जिससे यह साफ हुआ कि 2025 स्टॉक-सेलेक्टिव और सेक्टर-ड्रिवन साल रहा। लार्ज कैप स्पेस में आईसीआईसीआई प्रूडेंशियल, मिराए एसेट, मोतीलाल ओसवाल और महेंद्रा मैनुलिफ़ जैसे फंड्स ने 10-11% के आसपास रिटर्न देकर साल का अंत मजबूत नोट पर किया। कुल मिलाकर, 2025 का साल यह सबक देकर गया कि अनिश्चित बाजारों में लार्ज कैप फंड्स निवेशकों के लिए सबसे भरोसेमंद साथी साबित होते हैं।

लार्ज कैप फंड एक प्रकार का म्यूचुअल फंड है जो मुख्य रूप से बड़े मार्केट कैपिटलाइजेशन वाली कंपनियों में निवेश करता है, जो आमतौर पर देश की टॉप 100 कंपनियां होती हैं। ये कंपनियां अच्छी तरह से स्थापित, वित्तीय रूप से मजबूत और अक्सर अपने क्षेत्रों में बाजार के नेता होती हैं। लार्ज कैप फंड्स को स्थिरता और कम जोखिम के लिए जाना जाता है, जो उन्हें रूढ़िवादी निवेशकों के लिए एक अच्छा विकल्प बनाता है।



लार्ज कैप फंड के फायदे

- **स्थिरता:** लार्ज कैप कंपनियां बाजार में उतार-चढ़ाव के प्रति कम संवेदनशील होती हैं।
- **सुरसंग प्रदर्शन:** ये कंपनियां लंबे समय में स्थिर रिटर्न प्रदान करती हैं।
- **निम्न जोखिम:** लार्ज कैप फंड्स में निवेश करने से जोखिम कम होता है।
- **डिविडेंड आय:** कई लार्ज कैप कंपनियां नियमित डिविडेंड वितरित करती हैं।
- **विविधीकरण:** लार्ज कैप फंड्स विभिन्न क्षेत्रों में निवेश करते हैं, जिससे जोखिम कम होता है।

फ्लेक्सी-कैप फंड की पॉपुलैरिटी बढ़ी

फ्लेक्सी-कैप फंड्स का औसत रिटर्न मले ही कुछ कमजोर दिख रहा है, लेकिन इसकी पॉपुलैरिटी बढ़ी है। फ्रैंकलिन टेम्पलटन म्यूचुअल फंड की लैटेस्ट रिपोर्ट के मुताबिक, बीते 12 महीनों में फ्लेक्सी-कैप फंड्स में सभी इक्विटी कैटेगरी में सबसे ज्यादा निवेश आया है। पिछले 12 महीनों में इन फंड्स में करीब 75,700 करोड़ का नेट निवेश दर्ज किया गया। इस कैटेगरी में निवेशकों ने जो खरीदा, उसमें बने रहे। यह दिखाता है कि निवेशक अब सिर्फ बाजार से जुड़े विकल्पों में ज्यादा पैसा नहीं लगा रहे, बल्कि ऐसे फंड भी चुन रहे हैं जो डायवर्सिफिकेशन और लचीलापन दोनों देते हैं। जैसे-जैसे म्यूचुअल फंड बैंक डिपॉजिट पर बंद बन रहे हैं, फ्लेक्सी-कैप फंड्स आने वाले समय में लंबी अवधि में संपत्ति बनाने की इस कहानी के केंद्र में बने रह सकते हैं।

■ **उच्च विकास क्षमता:** स्मॉल कैप कंपनियों में उच्च विकास क्षमता होती है, जिससे उच्च रिटर्न मिल सकता है।
■ **निम्न मूल्यांकन:** स्मॉल कैप कंपनियों के शेयर अक्सर कम मूल्य पर उपलब्ध होते हैं, जिससे निवेश का लागत कम होती है।
■ **विविधीकरण:** स्मॉल कैप फंड्स विभिन्न क्षेत्रों में निवेश करते हैं, जिससे जोखिम कम होता है। **लॉन्ग-टर्म ग्रोथ:** स्मॉल कैप कंपनियों में लॉन्ग-टर्म ग्रोथ की संभावना अधिक होती है।

एक साल में कितना रिटर्न कैटेगरीवाइज

फंड	रिटर्न
लार्ज कैप	8.15%
लार्ज एंड मिड कैप	1.96%
फ्लेक्सी कैप	3.26%
मल्टी कैप	1.98%
मिड कैप	2.76%
स्मॉल कैप	-5.31%
वैल्यू ओरिएटेड	5.45%
इंफ्लरएसएस	3.52%
सेक्टरल-आटो एंड ट्रांसपोर्ट	17.32%
सेक्टरल-बैंकिंग	14.42%
सेक्टरल-फार्मा	0.04%
सेक्टरल-टेक्नोलॉजी	-6.79%
थिमैटिक	2.52%

एक साल में टॉप लार्ज कैप फंड्स ये रहे

फंड्स	रिटर्न
आईसीआईसीआई प्रू	11.50%
निप्पाॉन इंडिया इंडेक्स निपटी-50	11.40%
मिराए एसेट	11.00%
मोतीलाल ओसवाल	10.73%
महेंद्रा मैनुलिफ़ाइफ	10.59%
बजाज फिनसर्व	10.00%

टॉप लार्ज कैप म्यूचुअल फंड

- ▶ निप्पाॉन इंडिया लार्ज कैप फंड
- ▶ आईसीआईसीआई प्रूडेंशियल लार्ज कैप फंड
- ▶ एसबीआई ब्लूचिप फंड
- ▶ एचडीएफसी लार्ज कैप फंड
- ▶ डीएस्पी लार्ज कैप फंड

स्मॉल कैप फंड के नुकसान

- **उच्च जोखिम:** स्मॉल कैप कंपनियों में जोखिम अधिक होता है, जिससे निवेश का मूल्य कम हो सकता है।
- **अस्थिरता:** स्मॉल कैप शेयरों की कीमतें अधिक अस्थिर होती हैं, जिससे निवेश का मूल्य तेजी से बचल सकता है।
- **लिक्विडिटी:** स्मॉल कैप शेयरों में लिक्विडिटी कम होती है, जिससे निवेश को बेचना मुश्किल हो सकता है।



2025 चांदी ने दिया बंपर रिटर्न

■ निवेशकों ने 100 फीसदी से ज्यादा रिटर्न लिया ■ अब मुनाफा वसूल करें या निवेश बनाए रखें ■ चांदी की बढ़त ने सभी निवेशों को पीछे छोड़ा

सा ल 2025 में सिल्वर ईटीएफ ने जबरदस्त प्रदर्शन दिया है। इस

निवेश मंत्रा
बिजनेस डेस्क

कितने के पास आए, तो खरीदारी का अच्छा मौका होगा। **आगे क्या होगा?**

साल अब तक निवेशकों को 100 फीसदी से भी ज्यादा का रिटर्न मिल चुका है। चांदी की बढ़त ने बाकी सभी निवेशों को पीछे छोड़ दिया है। ऐसे में निवेशक इस उलझन में हैं कि क्या उन्हें अपना मुनाफा वसूल लेना चाहिए (प्रॉफिट बुकिंग) या निवेश बनाए रखना चाहिए? बाजार के जानकारों की सलाह है कि अगर आपके पोर्टफोलियो में चांदी का हिस्सा तब सीमा से ज्यादा हो गया है, तो थोड़ा मुनाफा वसूल लेना चाहिए। अपने निवेश को संतुलित (रीबैलेंस) करने के लिए कुछ हिस्सा बेचकर वापस पुराने लक्ष्य पर आ जाना ही समझदारी है।

जबकि चांदी 2 लाख रुपये के पार है, तो 2026 के लिए अगले साल शायद 2025 जैसी धमाकेदार बढ़त न मिले। मुनाफा धीरे-धीरे होगा और बीच-बीच में कीमतें गिरेगी भी। वहीं, निकुंज सराफ को उम्मीद है कि सोलर सेक्टर में बढ़ती मांग और दुनिया भर में सफाई की कमी को वजह से 2026 में भी चांदी की मजबूती बनी रहेगी।

क्या है सिल्वर ईटीएफ

सिल्वर ईटीएफ (एक्सचेंज-ट्रेडेड फंड) एक प्रकार का निवेश साधन है जो चांदी की कीमतों पर आधारित होता है। यह एक ऐसा फंड है जो चांदी की कीमतों के साथ-साथ चलता है और निवेशकों को चांदी में निवेश करने का अवसर प्रदान करता है।

सिल्वर ईटीएफ के फायदे

- चांदी में निवेश: सिल्वर ईटीएफ फंड में निवेश करने का एक आसान और सुविधाजनक तरीका है।
- लिक्विडिटी: सिल्वर ईटीएफ शेयर बाजार में सूचीबद्ध होते हैं, जिससे उन्हें आसानी से खरीदा और बेचा जा सकता है।
- निम्न लागत: सिल्वर ईटीएफ की लागत कम होती है, जिससे निवेशकों को अधिक रिटर्न मिल सकता है।
- विविधीकरण: सिल्वर ईटीएफ निवेशकों को अपने पोर्टफोलियो में विविधीकरण करने में मदद करता है।

सिल्वर ईटीएफ के नुकसान

- चांदी की कीमतों में उतार-चढ़ाव: सिल्वर ईटीएफ की कीमतें चांदी की कीमतों पर आधारित होती हैं, जो उतार-चढ़ाव के अधीन होती हैं।
- जोखिम: सिल्वर ईटीएफ में निवेश करने से जोखिम होता है, क्योंकि चांदी की कीमतें भविष्य में कम हो सकती हैं।
- स्टोरेज और सुरक्षा: सिल्वर ईटीएफ में निवेश करने से पहले निवेशकों को चांदी के स्टोरेज और सुरक्षा के बारे में विचार करना चाहिए [1][2][3]।

भारत में सिल्वर ईटीएफ

- कोटक सिल्वर ईटीएफ
- एसबीआई सिल्वर ईटीएफ
- एचडीएफसी सिल्वर ईटीएफ
- आईसीआईसीआई प्रूडेंशियल सिल्वर ईटीएफ
- यूटीआई सिल्वर ईटीएफ



छोटे व्यापारियों के लिए बेहद जरूरी है क्लाइमेट इश्योरेंस

जलवायु परिवर्तन अब सिर्फ भविष्य की चिंता नहीं रह गई, बल्कि यह छोटे व्यापारियों और दुकानदारों की रोजमर्रा की जिंदगी को सीधे प्रभावित कर रहा है। बाढ़, भीषण गर्मी, भारी बारिश और चक्रवात जैसी घटनाएं पहले के मुकाबले अधिक आ रही हैं और ज्यादा तीव्रता से हो रही हैं। इसका सबसे बड़ा असर देश के छोटे व्यापारियों और एमएसएमई के लिए खनाए गए हैं। इनमें से एक है पैरामीट्रिक इश्योरेंस। यह पारंपरिक बीमा से अलग होता है, क्योंकि इसमें नुकसान का लंबा आकलन करने की जरूरत नहीं पड़ती। पैरामीट्रिक इश्योरेंस में पहले से तय मौसम से जुड़े संकेतकों, जैसे तब सीमा से ज्यादा बारिश या तापमान बढ़ने पर, अपने आप मुआवजा संचित हो जाता है। इससे बीमा राशि जल्दी मिल जाती है। यह व्यवस्था एमएसएमई के लिए इसलिफे फायदेमंद है, क्योंकि इसमें पुराने नुकसान के विस्तृत रिकॉर्ड की जरूरत नहीं होती, इसे समझना आसान होता है और आपदा के समय तुरंत पैसा मिल जाता है। जब किसी आपदा के तुरंत बाद पैसे मिल जाते हैं, तो व्यापारी जल्दी मरम्मत कर सकते हैं, नया सामान ला सकते हैं और दोबारा काम शुरू कर सकते हैं। इससे उनकी आत्मविश्वास भी बना रहता है कि मुश्किल हालात में भी वे फिर से खड़े हो सकते हैं।

प्राकृतिक आपदाओं से बचाव

“क्लाइमेट इश्योरेंस छोटे व्यापारियों के लिए एक ऐसा सुरक्षा साधन है, जो उन्हें प्राकृतिक आपदाओं से उबरने में मदद करता है। इस बीमा के तहत बाढ़, तेज बारिश, गर्मी या चक्रवात जैसी घटनाओं से दुकान, गोदाम, मशीनों और सामान को हुए नुकसान को कवर किया जा सकता है। इतना ही नहीं, अगर किसी आपदा की वजह से कारोबार अस्थायी रूप से बंद करना पड़े और आमदनी रुक जाए, तो क्लाइमेट इश्योरेंस से आय के नुकसान की भरपाई भी की जा सकती है।” इस तरह का बीमा छोटे व्यापारियों को जल्दी दोबारा कारोबार शुरू करने में मदद करता है। बिना बीमा के कई व्यापारी मरम्मत या दोबारा स्टॉक खरीदने के लिए पैसों का इंतजाम नहीं कर पाते, जिससे दुकान लंबे समय तक बंद रहती है। इसका नतीजा यह होता है कि ग्राहक दूसरी जगह चले जाते हैं और कारोबार को दोबारा खड़ा करना मुश्किल हो जाता है। कई मामलों में तो

वर्ष 2025 का साल भारत के टैक्स सिस्टम के लिए काफी अहम रहा। सरकार ने जीएसटी में बड़ी कटौती की, इनकम टैक्स में छूट की लिमिट बढ़ाई गई और लोगों के हाथ में ज्यादा पैसे रहने देना का इरादा दिखाया। इसका मकसद था कि मुश्किल

वैश्विक हालात में घरेलू खपत बढ़े और अर्थव्यवस्था को सहारा मिले। विदेशी टैरिफ की अनिश्चितता के बीच ये बदलाव घरेलू मांग को मजबूत करने पर फोकस करते हैं। अब नजर कस्टम्स ड्यूटी को सरल बनाने और रेट कम करने पर है।

कम स्लैब और चीजें सस्ती

साल की सबसे बड़ी खबर रही जीएसटी में भारी बदलाव। 22 सितंबर से करीब 375 सामानों और सर्विसेज पर टैक्स रेट कम कर दिए गए। रोजमर्रा की चीजों पर बोझ कम हुआ और लंबे समय से चली आ रही इन्फ्लेशन ड्यूटी को समस्या भी काफी हद तक सुलझी। पहले जीएसटी में 5%, 12%, 18% और 28% के चार मुख्य स्लैब थे। अब इन्हें 5% और 18% के दो मुख्य रेट में समेट दिया गया है। हालांकि, तंबाकू, सिगरेट, सिगार, गुटखा, पान मसाला आदि पर 40% का हाई रेट रखा गया है। इस बदलाव से जीएसटी सिस्टम ज्यादा आसान और भरोसेमंद हो गया। सरकार का दावा है कि स्लैब कम होने से इंगेडिेंट कम होंगे और कंप्लायंस आसान। अप्रैल में जीएसटी कलेक्शन रिकॉर्ड 2.37 लाख करोड़ रुपये तक पहुंचा था, जबकि पूरे साल औसतन 1.9 लाख करोड़ रुपये रहा। लेकिन रेट कटौती के बाद थोड़ा ढबाव पड़ा और वोध धीमी हुई।

जीएसटी स्लैब और इनकम टैक्स में हुए बड़े बदलाव, मिडिल क्लास को राहत

इनकम टैक्स में राहत

मिडिल क्लास को बड़ा तोहफा डायरेक्ट टैक्स के मोर्चे पर भी सरकार ने हाथ खोले। इनकम टैक्स की छूट लिमिट बढ़ाकर मिडिल इनकम वालों को राहत दी गई। लोगों के पास ज्यादा डिस्पोजेबल इनकम आए, खासकर शहरों में रहने वाले परिवारों को बड़ा फायदा हुए। इससे खुद टैक्स देने की आदत भी मजबूत हुई। 2025 के बजट में नई टैक्स व्यवस्था में 12 लाख रुपये सालाना आय तक कोई इनकम टैक्स नहीं देने का फैसला हुआ। ये वो व्यवस्था है जिसमें कम रेट है लेकिन छूट या डिडक्शन का फायदा नहीं मिलता।

टैक्स कलेक्शन धीमा

इन कटौतियों से अप्रैल से दिसंबर मध्य तक नॉन-कॉर्पोरेट टैक्स कलेक्शन धीमा पड़ा। व्यक्तियों, एचयूएफ और फर्मों का नेट टैक्स सिर्फ 6.37% बढ़कर 8.47 लाख करोड़ हुआ, जबकि कॉर्पोरेट टैक्स 10.54% बढ़कर 8.17 लाख करोड़ रुपये पहुंचा। इस साल रिफंड 14% घटकर 2.97 लाख करोड़ रुपये से ज्यादा रहे। अगले साल से नया सिंपल इनकम टैक्स एक्ट 2025 लागू होगा, जो 1 अप्रैल से शुरू होकर पुराने 1961 के एक्ट की जगह लेगा। सिगरेट पर एक्स्ट्रा एक्साइज ड्यूटी और पान मसाला पर सेस लगाने के दो नए कानून भी सरकार जब चाहे लागू कर देगी।

कलेक्शन वर्ष के सबसे निचले स्तर पर

नवंबर में कलेक्शन साल के सबसे निचले स्तर पर आ गया, जो 1.70 लाख करोड़ रुपये रहा। यह पिछले साल की तुलना में सिर्फ 0.7% की बढ़ोतरी थी। नवंबर को पहला महीना था जब सितंबर की कटौती का पूरा असर दिखा। फिर भी ये सुधार लोगों के लिए फायदेमंद साबित हो रहे हैं। आम इस्तेमाल की चीजें सस्ती हुईं, जिससे खपत बढ़ने की उम्मीद है।

नए रेट कुछ इस तरह

- ▶ 4 से 8 लाख रुपये तक 5%
- ▶ 8 से 12 लाख रुपये तक 10%
- ▶ 12 से 16 लाख रुपये तक 15%
- ▶ 16-20 लाख रुपये पर 20%
- ▶ 20-24 लाख रुपये पर 25%
- ▶ 24 लाख रुपये से ऊपर 30%

कस्टम्स ड्यूटी पर अब फोकस

जीएसटी और इनकम टैक्स के बड़े सुधार हो जाने के बाद अब नजर कस्टम्स पर है। वित्त मंत्री निर्मला सीतारमण ने कहा कि कस्टम्स को सरल बनाना सरकार का अगला बड़ा सुधार होगा। इनकम टैक्स जैसी पारदर्शिता और फेसलेंस असेसमेंट कस्टम्स में लाना जरूरी है। साथ ही ड्यूटी रेट को रेशलनाइज करना भी। पिछले दो साल में कस्टम्स ड्यूटी लगातार



घटी है। लेकिन जहां रेट अभी भी ज्यादा हैं, उन्हें कम करना बाकी है। वित्त मंत्री ने कहा था, “कस्टम्स में अगला बड़ा क्लीन-अप काम है।” 2025-26 बजट में इंडस्ट्रियल गुड्स पर सात अतिरिक्त टैरिफ रेट हटाने का प्रस्ताव था, जिससे कुल स्लैब आठ रह गए। पहले 2023-24 में भी सात टैरिफ हटाए गए थे। एक्सपोर्ट्स का मानना है कि ट्रेड के बदलते पैटर्न, कंप्लायंस कॉस्ट और प्रोसेसिंग की दिककतों को देखते हुए कस्टम्स में सुधार जरूरी है।

एक बड़ी एफडी की सबसे बड़ी समस्या तब आती है, जब अचानक पैसों की जरूरत पड़े सात लाख को ऐसे करें निवेश, मिलेगा बड़ा फायदा, एक एफडी में लगाएं पैसे या फिर कई सारी का विकल्प बेहतर

फिक्स्ड डिपॉजिट निवेश के सबसे भरोसेमंद तरीकों में से एक

पैसा कमाने के लिए मेहनत और अनुशासन दोनों चाहिए, लेकिन उसे समझदारी से कहां निवेश किया जाए, यह फैसला उतना ही अहम होता है। आज के दौर में सिर्फ पैसे बचाकर रखना न तो सुरक्षित भविष्य की गारंटी देता है और न ही महंगाई को मात दे पाता है। मजबूत फाइनेंशियल कुशल बनने के लिए जरूरी है कि निवेश आपके लक्ष्य, जोखिम लेने की क्षमता और समय के हिसाब से किया जाए। शेयर, इक्विटी म्यूचुअल फंड, पीपीएफ और सरकारी बचत योजनाओं जैसे कई विकल्प मौजूद हैं, लेकिन, इसके बावजूद बैंक फिक्स्ड डिपॉजिट (एफडी) आज भी सुरक्षा और स्थिर रिटर्न चाहने वाले निवेशकों की पहली पसंद बने हुए हैं।

एफडी क्यों है सबसे भरोसेमंद विकल्प

भारत में फिक्स्ड डिपॉजिट को सबसे सुरक्षित निवेश विकल्पों में गिना जाता है। क्योंकि इसमें पूंजी सुरक्षित रहती है और रिटर्न पहले से तय होता है। एफडी की ब्याज दर पर बाजार के उतार-चढ़ाव का असर भी नहीं पड़ता। साथ ही, डीआईसीजीसी इश्योरेंस के तहत 5 लाख रुपये तक की जमा राकम सुरक्षित रहती है। इससे निवेशकों को अतिरिक्त भरोसा मिलता है। बैंक और एनबीएफसी 7 दिन से लेकर 10 साल तक की अवधि के लिए एफडी की सुविधा देते हैं। हालांकि, एफडी से बेहतर रिटर्न पाने के लिए सिर्फ पैसा जमा करना काफी नहीं होता, बल्कि सही अवधि और सही स्ट्रक्चर चुनना ही जरूरी रहता है।

एक एफडी या कई एफडी, किसमें फायदा

निवेशकों के मन में अक्सर यह उलझन रहती है कि पूरी रकम एक ही एफडी में लगाई जाए या उसे कई एफडी में बांटा जाए। अब मान लीजिए आपके पास 7 लाख रुपये हैं, तो क्या 7 लाख की एक एफडी बेहतर है या 1-1 लाख की सात एफडी। एक्सपर्ट्स बताते हैं कि अगर ब्याज दर समान है, तो मैट्योरिटी पर मिलने वाली कुल रकम दोनों ही मामलों में बराबर रहेगी। फर्क सिर्फ सुविधा, लचीलापन और जरूरत पड़ने पर पैसे निकालने की आसानी में होता है।

बड़ी एफडी के फायदे क्या हैं

एक बड़ी एफडी का सबसे बड़ा फायदा इसकी सादगी है। इसमें आपको सिर्फ एक ही डिपॉजिट करना होता है, एक ही मैट्योरिटी डेट होती है और ब्याज भी एक जगह ही जुड़ता है। निवेश को ट्रैक करना आसान रहता है, न तो कई एफडी रसीदें संग्रालने की इंडस्ट्री होती है और न ही अलग-अलग मैट्योरिटी याद रखने की जरूरत पड़ती है। जो निवेशक 'लगाओ और भूल जाओ' वाला तरीका पसंद करते हैं, उनके लिए यह विकल्प काफी सुविधाजनक माना जाता है। लंबी अवधि के लिए पैसा लॉक करने से ब्याज दर स्थिर रहती है और निवेशक बिना किसी रुकावट के मैट्योरिटी तक बेहतर रिटर्न हासिल कर सकते हैं। खासकर रिटायर्ड लोग या ऐसे निवेशक, जिनके पास पहले से इन्फ्लेक्सी फंड मौजूद है, उनके लिए एक बड़ी एफडी मानसिक शांति देने वाला विकल्प बन सकती है।

एक बड़ी एफडी के नुकसान समझना जरूरी

एक बड़ी एफडी की सबसे बड़ी समस्या तब आती है, जब अचानक पैसों की जरूरत पड़ जाए। अगर आपके सिर्फ 50,000 रुपये चाहिए, तो आप आंशिक निकाली नहीं कर सकते। पूरी एफडी तोड़नी पड़ेगी, जिस पर पूरे अमाउंट पर पेनल्टी लगेगी और कुल रिटर्न घट जाएगा। इसके अलावा सुरक्षा का पहलू भी अहम है। भारत में डीआईसीजीसी नियमों के तहत एक बैंक में जमा राशि पर सिर्फ 5 लाख रुपये तक का ही इश्योरेंस मिलता है। ऐसे में 7 लाख रुपये एक ही बैंक में रखने पर 2 लाख रुपये अनइश्योर्ड रह जाते हैं। जरूरत पड़ने पर पूरी रकम नहीं, सिर्फ एक एफडी तोड़नी पड़ती है, जिससे बाकी पैसा ब्याज कमाता रहता है। प्रीमैच्योर विदड्रॉल की पेनल्टी सिर्फ उसी एफडी पर लागती है, पूरी रकम पर नहीं।

खबर संक्षेप

अनाज भंडारण के लिए गोदाम बनवाने की मांग
भिवानी। भारतीय किसान संघ की प्रदेश स्तरीय बैठक कुरुक्षेत्र के डीडीए विभाग के कार्यालय में संपन्न हुई। बैठक में प्रदेशभर के पदाधिकारियों ने शिरकत की, लेकिन मुख्य केंद्र भिवानी और दादरी क्षेत्र की कृषि समस्याएं और उनके समाधान रहे। बैठक में मुख्यतिथि के रूप में कृषिमंत्री श्याम सिंह राणा मौजूद रहे। बैठक की अध्यक्षता प्रदेश अध्यक्ष सतीश छिकारा और प्रदेश महामंत्री रामबीर चौहान ने की।

सीएम पैक्स वेलफेयर एसो. ने किया आंदोलन का ऐलान
भिवानी। पर्यावरण संरक्षण और अरावली पर्वत श्रृंखला को खनन व अतिक्रमण से बचाने के लिए अब सामाजिक संगठनों ने कमर कस ली है। इसी कड़ी में सीएम पैक्स वेलफेयर एसोसिएशन के कार्यवाहक प्रधान प्रविंद्र मांडी ने अरावली बचाओ आंदोलन शुरू करने का ऐलान किया है। मांडी ने स्पष्ट किया कि आंदोलन केवल प्रतीकात्मक विरोध नहीं, बल्कि अरावली की अस्मिता को बचाने की निगूणक लड़ाई होगी।

लंबित मांगों के लिए सीएम के नाम सौंपा ज्ञापन
भिवानी। श्रीगुरु गोविंद सिंह के पावन प्रकाशोत्सव पर राष्ट्रवादी परिवर्तन पार्टी ने सामाजिक समरसता और समान विकास का संदेश देते हुए भिवानी शहर में प्रजापति समाज से जुड़ी लंबित मांगों को लेकर मुख्यमंत्री नायब सिंह सैनी के नाम ज्ञापन भेजा।

पेड़ पौधे ही हमारे सच्चे मित्र हैं: कुलदीप शास्त्री
बाढ़डा। गांव नांधा के आदर्श वरिष्ठ माध्यमिक विद्यालय में गुरु गोविंद सिंह के प्रकाश पर्व पर पर्यावरण पर चर्चा कार्यक्रम का आयोजन किया गया। भाजपा जिला सचिव व एक पेड़ मां के नाम जिला संयोजक कुलदीप शास्त्री चर्चावास ने शिरकत करते हुए कहा कि पेड़ पौधे ही हमारे सच्चे मित्र हैं। बगैर पेड़ पौधे हमारे जीवन का कोई आधार नहीं है। पेड़ पौधों के बगैर हम जीवन की कल्पना भी नहीं कर सकते।

मूकबधिर खिलाड़ियों का शानदार प्रदर्शन
भिवानी। हरियाणा स्पोर्ट्स काउंसिल ऑफ डेफ द्वारा आयोजित नौवां हरियाणा राज्य स्तरीय खेल प्रतियोगिता गुरुग्राम के ताऊ देवीलाल स्पोर्ट्स स्टेडियम में सफलतापूर्वक सम्पन्न हुई, जिसमें आस्था स्पेशल स्कूल के मूकबधिर विद्यार्थियों ने शानदार प्रदर्शन किया और विद्यालय का नाम पूरे प्रदेश में रोशन किया। आस्था स्पेशल स्कूल के बधिर दिव्यांगों ने विभिन्न प्रतिस्पर्धाओं में उत्कृष्ट प्रदर्शन कर छह पदक जीते।

खुशियों की दीवार का तीसरा दिन
लोहारू। वरिष्ठ बैंक प्रबंधक नीरज शर्मा ने कहा कि प्रयास संगठन सामाजिक सरोकारों के तहत खुशियों की दीवार, रिशतों में गमाहट, खुशियां आपके द्वार जैसे कार्यक्रम चलाकर जरूरतमंदों की उम्मीदों पर खरा उतर कर उनके चेहरों पर मुस्कान बिखरने का काम कर रहे हैं। जरूरतमंदों के चेहरों पर मुस्कान उनके कार्यक्रम की सार्थकता को फलीभूत कर रहे हैं।

प्रतियोगिता में बीए प्रथम वर्ष की वंदना प्रथम
भिवानी। राजीव गांधी राजकीय महिला महाविद्यालय में प्राचार्य डॉ. त्रिलोकचंद की अध्यक्षता में नारकोटिक्स सेल के तत्वावधान में नशीली दवाओं के प्रति जागरूकता पर पीपीटी प्रतियोगिता का सफल आयोजन किया। प्रतियोगिता का संचालन संयोजक प्रोफेसर मुकेश कुमार, सहायक प्रोफेसर मनोविज्ञान विभाग ने किया।

श्रीबालाजी स्कूल में मनाया वीर बाल दिवस
भिवानी। गांव कलिंगा स्थित श्रीबालाजी स्कूल में साहिबजादा जोरावर सिंह व फतेह सिंह के बलिदान की स्मृति में भगाए जाने वाले वीर बाल दिवस के उपलक्ष्य में कार्यक्रम का आयोजन किया।

उमरावत व आसपास के गांव बूंद-बूंद को तरसे, बंजर बनती जा रही जमीन

करोड़ों खर्च होने के बाद सांगा माइनर में नहीं पहुंच रहा पानी

हरिभूमि न्यूज ►► भिवानी

भाजपा सरकार अंतिम छोर तक पानी पहुंचाने का ऐतिहासिक कार्य करने का दावा कर रही है, वहीं जिले के गांव उमरावत सहित सांगा माइनर से जुड़े क्षेत्रों में सरकार के ये सभी दावे हवाई और कागजी साबित हो रहे हैं। हकीकत ये है कि यहां न कस ली है। इसी कड़ी में सीएम पैक्स वेलफेयर एसोसिएशन के कार्यवाहक प्रधान प्रविंद्र मांडी ने अरावली बचाओ आंदोलन शुरू करने का ऐलान किया है। मांडी ने स्पष्ट किया कि आंदोलन केवल प्रतीकात्मक विरोध नहीं, बल्कि अरावली की अस्मिता को बचाने की निगूणक लड़ाई होगी।



भिवानी। पानी के इंतजार में सूखी पड़ी नहर।

क्षतिग्रस्त हो चुकी हैं। कई स्थानों पर नालियां टूट चुकी हैं और कुछ जगहों से ईंट भी निकाल ली गई हैं। ऐसी स्थिति में नहर में पानी छोड़ा भी जाता है तो वह खेतों तक पहुंच ही नहीं पाता, जिससे किसानों की फसलें बर्बाद हो रही हैं। उन्होंने कहा कि नहर से 8 इंच पाइप लाइन के जरिए गांव के जलघर तक पानी पहुंचाने के लिए लागू कर दो करोड़ रुपये खर्च किए गए, लेकिन योजना नाकाम साबित हुई है।

सिंचाई के लिए पानी मिल जाए तो किसान आत्मनिर्भर बन सकते हैं। हर बार विधायक और जनप्रतिनिधियों के सामने किसान समस्या रखते हैं, लेकिन केवल आश्वासन ही मिलते हैं, जमीनी स्तर पर आज तक कोई ठोस कार्रवाई नहीं हुई है। ग्रामीणों ने सरकार से खेतों तक पानी पहुंचाने के लिए

बंजर हो रही जमीन, डार्क जोन में तब्दील हुआ क्षेत्र

सांगा माइनर से उमरावत, धारेडू, पूर्णापुरा, दाणा नरसान, कौट व मानहेरू तक नहर के आसपास के गांवों की हजारों एकड़ जमीन अब बंजर होती जा रही है। भू-जल स्तर लगातार गिरने से इलाका डार्क जोन घोषित हो चुका है, जहां खेती करना दिन-ब-दिन मुश्किल होता जा रहा है। उन्होंने कहा कि पानी की किल्लत के चलते कई किसान अपनी पुरानी जमीन बेवकूफ शहरों में पलायन कर चुके हैं। बेटीयों की शादी जैसे सामाजिक कार्यों के लिए किसानों को बैंकों में जमीन गिरवी रखनी पड़ रही है या फिर साहूकारों से कर्ज लेना पड़ रहा है।

क्षतिग्रस्त नालियों का तुरंत पुनर्निर्माण करवाने, सांगा माइनर में पर्याप्त मात्रा में पानी छोड़ने, पेयजल योजना की तकनीकी जांच कर नियमित जल आपूर्ति सुनिश्चित करने की मांग की। ग्रामीणों ने कहा कि सरकार ने जल्द ध्यान नहीं दिया, तो क्षेत्र की खेती पूरी तरह समाप्त हो जाएगी।

रागिनी से सांस्कृतिक महाकुंभ संपन्न

सांस्कृतिक सुरक्षा कवच का कार्य करते सांस्कृतिक कार्यक्रम: एसडीओ भारद्वाज

हरिभूमि न्यूज ►► भिवानी

हरियाणा की समृद्ध लोक विरासत को संभालने और युवाओं को अपनी जड़ों से जोड़ने के उद्देश्य से गांव उमरावत स्थित सूर्य कवि पंडित लख्मीचंद सांस्कृतिक भवन में आयोजित पांच दिवसीय सांस्कृतिक कार्यक्रम का शिवांग को समाप्त हुआ। समापन समारोह का मुख्य आकर्षण रागिनी प्रतियोगिता रही, जिसमें प्रदेशभर से आए नामी कलाकारों ने अपनी प्रस्तुतियों से दर्शकों का मनमोह लिया। इस दौरान कार्यक्रम की अध्यक्षता महारी संस्कृति महारा स्वाभिमान संगठन के राष्ट्रीय अध्यक्ष हनुमान कौशिक ने की।



भिवानी। कवि शिरोमणी पंडित मांगेराम के सुप्रीत का सम्मान करने संगठन के पदाधिकारी।

लोककला मंच से सामाजिक संदेश

एसडीओ ने ड्रॉप प्रज्वलित कर अंतिम दिन की शुरुआत की। इस अवसर पर पारस डालमिया, राकेश गौड़ व नरेश पाहसोर ने बतौर अति विशिष्ट अतिथि शिरकत की। वक्ता बोले कि यह मंच नए कलाकारों को कला प्रदर्शित करने के लिए उचित मंच देते, बेटी बचाओ-बेटी पढ़ाओ जैसे राष्ट्रीय अभियानों को लोक कला के माध्यम से जन-जन तक पहुंचाने, खेलों में पढ़क जीतकर देश का नाम रोशन करने वाले खिलाड़ियों को सम्मानित करने, प्यारेक कवि और कलाकार को बिना किसी भेदभाव के समान अवसर और सम्मान प्रदान करने की दिशा में समर्पित है।

नपा चेयरमैन ने किया रैन बसेरे का निरीक्षण

हरिभूमि न्यूज ►► बवानीखेड़ा

बवानी खेड़ा नगर पालिका चेयरमैन सुंदर अत्री ने बस स्टैंड के सामने स्थित रैन बसेरे का निरीक्षण किया। इस दौरान उन्होंने वहां मौजूद व्यवस्थाओं और सुविधाओं का बारीकी से जायजा लिया। निरीक्षण के समय साफ-सफाई, पेयजल, बिजली, शौचालय व्यवस्था की स्थिति की समीक्षा की गई। चेयरमैन सुंदर अत्री ने रैन बसेरे के प्रबंधक को निर्देश दिए कि रैन बसेरे में ठहरे जाने वाले जर्जरतमदों को किसी भी प्रकार की अस्वीक्षा न हो। उन्होंने कहा कि ठंड के मौसम को देखते हुए रैन बसेरे में सभी मूलभूत सुविधाएं उपलब्ध कराना नगर पालिका की प्राथमिकता है।

हरियाणा राज्य मास्टर्स एथलेटिक्स प्रतियोगिता में मिलकपुर (जिला भिवानी) निवासी 89 वर्षीय गोवर्धन यादव ने असाधारण प्रदर्शन करते हुए हैमर थ्रो स्पर्धा में 9.75 मीटर का थ्रो कर स्वर्ण पदक अपने नाम किया। उनकी यह उपलब्धि साबित करती है कि उम्र केवल एक संख्या है, जबकि हैसला, अनुशासन और फिटनेस से हर लक्ष्य हासिल किया जा सकता है। गुरु जम्भेश्वर विश्वविद्यालय, हिसार के स्पोर्ट्स कॉम्प्लेक्स में आयोजित इस प्रतियोगिता में 30 वर्ष से लेकर 100 वर्ष से अधिक आयु वर्ग के खिलाड़ियों ने भाग लिया।

किसानों के महापड़ाव को 165 दिन हुए पूरे

लोहारू। करोड़ों रुपयों के बकाया फसल बीमा क्लेम के भुगतान की मांग को लेकर लोहारू के लघु सचिवालय में संयुक्त किसान मोर्चा के बैनर तले चल रहा किसानों का अनिश्चितकालीन धरना शनिवार को 165वें दिन भी जारी रहा। इस दौरान किसानों ने किसानों की मांगों के साथ साथ अरावली पर्वत श्रृंखला के संरक्षण के मुद्दे पर भी गहनता से चर्चा की। कर्ण सिंह जैनावास ने बीजेपी सरकार पर निशाना साधते हुए कहा कि जब से ये सत्ता पर काबिज हुए हैं किसान, मजदूर और छोटे व्यापारी आर्थिक संकट से जूझ रहे हैं। किसानों को समय पर खद उपलब्ध नहीं हो रही। मंडी में उसकी फसल को एमएसपी पर सरकार खरीदने को तैयार नहीं है। नकली बीजों और कीटनाशकों से उसका उत्पादन लगातार कम हो रहा है।

वाजपेयी की स्मृति में भाजपा की बैठक आयोजित

संगठन के आगामी लक्ष्यों के लिए हर बूथ को अभेद्य बनाना अनिवार्य

हरिभूमि न्यूज ►► भिवानी

पूर्व प्रधानमंत्री भारत रत्न अटल बिहारी वाजपेयी की स्मृति में शनिवार को तोशाम स्थित पंजाबी धर्मशाला में एक बैठक का आयोजन किया गया। इस बैठक में तोशाम विधानसभा के चारों मंडलों की समस्त कार्यकारिणी, बीएलए-2 (बूथ वेलव एजेंट), बूथ अध्यक्षों और बूथ पालकों ने भाग लिया। बैठक की अध्यक्षता भाजपा जिला अध्यक्ष वीरेंद्र कौशिक ने की। बैठक का संचालन और समन्वय महामंत्री रमेश पचेरवाल और प्रदीप प्रजापति द्वारा किया गया। बैठक के दौरान



भिवानी। एकत्रित लोगों को संबोधित करते हुए।

चारों मंडलों के अध्यक्षों की पेश की रिपोर्ट

वीरेंद्र कौशिक ने बताया कि इस कार्यक्रम में उमड़ी गीड़ ने यह स्पष्ट कर दिया है कि तोशाम विधानसभा में भाजपा अपने जमीनी तंत्र को बेहद सक्रिय और संगठित कर रही है। बैठक में तोशाम विधानसभा के अंतर्गत आने वाले चारों मंडलों के अध्यक्षों वित्की महता, कुलदीप महता, जगत कौशिक और सतीश वर्मा ने अपने-अपने क्षेत्रों की रिपोर्ट प्रस्तुत की। जिला अध्यक्ष वीरेंद्र कौशिक ने कार्यकर्ताओं को संबोधित करते हुए शक्ति है और आगामी लक्ष्यों के वाजपेयी के सिद्धांतों को याद किया और संगठन की मजबूती पर जोर दिया। उन्होंने कहा कि बूथ स्तर का कार्यकर्ता ही पार्टी की असली शक्ति है और आगामी लक्ष्यों के लिए हर बूथ को अभेद्य बनाना अनिवार्य है।

समारोह कार्यक्रम में उपस्थितजनों को दिलवाई बेटी बचाओ, पक्षी बचाओं की शपथ

पक्षियों के अस्तित्व पर खतरे का सीधा मतलब मानव जीवन पर खतरा

हरिभूमि न्यूज ►► भिवानी

हलवासिया विद्या विहार में जनमानस जागृति मंच के बैनर तले शनिवार को कैलेंडर-2025 विमोचन समारोह का आयोजन किया। समारोह में पक्षी बचाओ-प्रकृति बचाओ, बेटी बचाओ व बेटी पढ़ाओ का संदेश दिया और उपस्थितजन को उनका अनुशरण करने का संकल्प दिलवाया। पक्षियों को समर्पित कैलेंडर का विमोचन खानपुर महिला मॉडिकल कॉलेज की इन्टनी एचओडी प्रोफेसर डॉ. उमा

गर्ग, करनाल कल्पना चावला मॉडिकल कॉलेज के डायरेक्टर डॉ. महेंद्र गर्ग, जींद के एडीसी प्रदीप कौशिक, रोहतक पीजीआईएमएस के इन्टनी के पूर्व एचओडी डॉ. एसपीएस यादव, हिसार गुरु जम्भेश्वर यूनिवर्सिटी की एसएसबी डॉ. सुनीता रानी, हलवासिया स्कूल के प्रशासन शमशेर सिंह अहलावात, न्यू दिल्ली एमएएससी इएनटी के एचओडी एवं डायरेक्टर डॉ. ईश्वर सिंह, आईएमए की पूर्व अध्यक्ष डॉ. कमला

समारोह में दिन प्रतिदिन पक्षियों की घटती संख्या पर गहरी चिंता व्यक्त की और पक्षियों को बचाने की मुहिम में सभी को बढ़ावा देकर सहयोग करने के प्रयास बढ़ाने का आह्वान किया। कार्यक्रम में पक्षियों के जीवन को और अधिक सुरक्षित बनाने के लिए कुत्रिम घोंसले और सकोरे विविरित किए। विधायक सरफक ने अपने संबोधन में कहा कि पक्षियों के अस्तित्व पर खतरे का सीधा मतलब मानव जीवन पर खतरा है, इसलिए सभी को मिलजुल कर पक्षियों के जीवन को और अधिक सुरक्षित बनाना चाहिए। अतिथियों ने समारोह आयोजक डॉ. रूपेंद्र रंगा की मुहिम 'सेव बर्ड्स-सेव नेचर' की जमकर तारीफ की। विधायक ने पक्षी फोटो गैलरी का भी अवलोकन किया और दुर्लभ पक्षियों के बारे में जानकारी ली।

रिन्पूबल एनर्जी के डायरेक्टर पंकज बजाज व जमानस जागृति मंच के अध्यक्ष एवं समारोह आयोजक डॉ. रूपेंद्र रंगा ने किया।

राजी हैं हम उसी में जिसमें तेरी रजा
चरखी दादरी। दादी सती रानी मंदिर में श्रीमद्भागवत कथा की अमृत वर्षा करते हुए गोविंद कृष्ण शास्त्री ने कहा कि परमात्म के निकट आने की ललक है तो अहम का त्याग कर देना चाहिए। समर्पण भाव से ही उस तीन लोक के स्वामी की पाया जा सकता है। उन्होंने कहा कि मनुष्य भगवान की सबसे सुंदर कलाकृति है। एक मानव जन्म ऐसा है, जिस को पाने के लिए देवता भी तरसते रहते हैं। शास्त्री जी ने कहा कि भक्ति रस की प्राप्ति के लिए मनुष्य को आसन, श्वास, संगति एवं इंद्रियों पर जीत हासिल करने का प्रयास करना चाहिए। उन्होंने कहा कि भक्ति उपासना के भाव से आती है। उपासना का अर्थ है भावना श्रीकृष्ण या किसी जागृत संत के समीप बैठना।

समारोह में दिन प्रतिदिन पक्षियों की घटती संख्या पर गहरी चिंता व्यक्त की और पक्षियों को बचाने की मुहिम में सभी को बढ़ावा देकर सहयोग करने के प्रयास बढ़ाने का आह्वान किया। कार्यक्रम में पक्षियों के जीवन को और अधिक सुरक्षित बनाने के लिए कुत्रिम घोंसले और सकोरे विविरित किए। विधायक सरफक ने अपने संबोधन में कहा कि पक्षियों के अस्तित्व पर खतरे का सीधा मतलब मानव जीवन पर खतरा है, इसलिए सभी को मिलजुल कर पक्षियों के जीवन को और अधिक सुरक्षित बनाना चाहिए। अतिथियों ने समारोह आयोजक डॉ. रूपेंद्र रंगा की मुहिम 'सेव बर्ड्स-सेव नेचर' की जमकर तारीफ की। विधायक ने पक्षी फोटो गैलरी का भी अवलोकन किया और दुर्लभ पक्षियों के बारे में जानकारी ली।

खबर संक्षेप

स्वर्णकार समाज का मिलन समारोह चार को

भिवानी। नववर्ष के उपलक्ष्य में स्वर्णकार समाज द्वारा स्वर्णकार मिलन समारोह का आयोजन किया जाएगा, जिसको भव्य बनाने के लिए तैयारियां तेज हो गई हैं। समारोह चार जनवरी को दाणा रोड स्थित महाराजा अजमीह धर्मशाला में दोपहर 11 बजे होगा। श्रीमैह क्षत्रिय स्वर्णकार समिति के प्रधान नरेंद्र छपारिया व महासचिव सुभाषचंद्र माहयच ने बताया कि आयोजन का मुख्य उद्देश्य समाज के सभी वर्गों को एक मंच पर लाना और सामाजिक एकता को सुदृढ़ करना है।

हरियाणवी सामाजिक फिल्म का बलियाली में शुभारंभ

बवानीखेड़ा। विजय नादान बलियाली की टीम द्वारा हरियाणवी सामाजिक फिल्म पावर ऑफ़ दा मुखिया का गांव बलियाली में शुभारंभ किया गया। फिल्म का उद्घाटन ग्राम सरपंच सचिन सरदाना ने किया। सरपंच सचिन सरदाना ने कहा कि फिल्म समाज में फैली कुरीतियों को उजागर करने का प्रयास है। फिल्म की कहानी गांव के एक युवक और युवती द्वारा किए गए लव मैरिज जैसे संवेदनशील विषय पर आधारित है, जिसे सामाजिक दृष्टिकोण से दर्शाया गया है।

सात दिवसीय एनएसएस शिविर का किया आरंभ

भिवानी। गांव खरककलां स्थित राजकीय कन्या वमा विद्यालय में प्राचार्या डॉ. रिमा परमार अध्यक्षता में सात दिवसीय राष्ट्रीय सेवा योजना शिविर का शुभारंभ लक्ष्य गीत व मां सरस्वती के समक्ष द्वाप प्रज्वलित करके किया। शिविर के पहले दिन पर्यावरण बचाओ थीम पर आधारित प्रोमिला एंड टीम ने भाषण, गीत, कविता, एकल नृत्य व अभिनय शैली ने विभिन्न गतिविधियां प्रस्तुत की। एनएसएस प्रभारी रोजी मनचंदा ने उपस्थित स्वयं सेविकाओं को एनएसएस के महत्त्व की जानकारी देते हुए बताया कि शिविर के माध्यम से विद्यार्थी जिम्मेदार नागरिक बनकर सामुदायिक चुनौतियों का सामना करना सीखते हैं।

मॉडल स्कूल में लगेगा निःशुल्क रक्तदान शिविर

बवानीखेड़ा। बवानी खेड़ा के राजकीय मॉडल संस्कृत चरित्र माध्यमिक विद्यालय में सोमवार 29 दिसंबर को रक्तदान शिविर का आयोजन किया जाएगा। आयोजन विद्यालय के मेन हॉल में आयोजित होगा जिसके लिए एनएसएस अधिकारी नवीन कौशिक द्वारा पूरी व्यवस्था को अमलीजामा पहनाया गया है।

गुरु गोविंद सिंह की जयंती पर कीर्तन आयोजित

बवानीखेड़ा। बवानी खेड़ा के ग्रास रूट्स पब्लिक स्कूल में गुरु गोविंद सिंह की जयंति पर नगर कीर्तन का आयोजन किया गया जिसमें विद्यालय विद्यार्थियों व स्टाफ ने अपनी अहम भूमिका निभाई। विद्यालय निदेशक वीना भ्याणा ने गुरुओं के बारे में बताया कि उन्होंने किस प्रकार से अपने धर्म को बचाए रखने के लिए अपने प्राणों की आहुति दी। उन्होंने विद्यार्थियों को बताया कि अपने धर्म के लिए सतत कुछ न्यौछावर करना उनके गुरुओं ने सिखाया है इसलिए हमें उनके पदचिन्हों पर चलना चाहिए।



भिवानी। गोलगढ़ स्कूल की छात्रा संजू को सम्मानित करते मुख्यमंत्री नाथ सिंह सैनी।

गोलगढ़ सरकारी स्कूल की संजू को मुख्यमंत्री ने किया सम्मानित

भिवानी। चौधरी देवीलाल विश्वविद्यालय सिरसा में हुए साहिबजादा ज़ोरा सिंह व फतेह सिंह के सर्वोच्च बलिदान को समर्पित राज्य स्तरीय कार्यक्रम में मुख्यमंत्री नाथ सिंह सैनी ने जिले के केरू खंड के गोलगढ़ सरकारी स्कूल की बारहवीं कक्षा की छात्रा संजू को सम्मानित किया। प्रवक्ता सुकेश शारत्री ने बताया कि बाल तीव्र दिवस पर निबंध प्रतियोगिताओं का 18 दिसम्बर को जिलास्तर पर संस्कृत, हिन्दी, अंग्रेजी व पंजाबी भाषाओं में आयोजन किया था, जिसमें निबंध प्रतियोगिताओं में संस्कृत भाषा में छात्रा संजू प्रथम ने प्रथम, नैना पुत्री तृतीय प्रकाश सरकारी स्कूल बौरण ने द्वितीय, रचना पुत्री नरेश सरकारी स्कूल दाबढाणी ने तृतीय स्थान प्राप्त किया था।

घुसकानी स्कूल में परीक्षा पर की चर्चा, मनाया बेटियों का जन्मदिन

हरिभूमि न्यूज़ ►► भिवानी

शनिवार को गांव घुसकानी स्थित शहीद कैप्टन ओपी दलाल राजकीय उच्च विद्यालय में हरियाणा विद्यालय शिक्षा बोर्ड के चेयरमैन के ओएसडी समरवीर(मोनु) ने बोर्ड परीक्षाओं को लेकर विद्यार्थियों के साथ चर्चा की। बच्चों ने परीक्षा से संबंधित अनेक तरह की शंकाएं उनके समक्ष रखीं। जिनका ओएसडी मोनु ने बड़ी सहजता व सरलता से बच्चों को जवाब दिए।

इस दौरान सरमवीर ने बोर्ड की परीक्षाओं को लेकर बच्चों के मन में शंका व भय को दूर किया और कहा कि बिना किसी झिझक व आत्मविश्वास के साथ तथा नकल रहित परीक्षाएं दें। पूरे साल की गई पढ़ाई के ज्ञान का स्तर जांचने के लिए परीक्षाओं का आयोजन किया जाता है। कभी भी परीक्षाओं का दिमाग पर बोझ न समझे। इस दौरान चेयरमैन के ओएसडी समरवीर ने छात्राओं का जन्मदिन मनाया

शारीरिक शिक्षक पीकू ने खिलाड़ियों को बोर्ड परीक्षा में अतिरिक्त अंक देने की मांग की

ओएमआर सीट पर अभ्यास की सराहना की

इस दौरान शारीरिक शिक्षक विनोद पीकू द्वारा चलाए जा रहे ओएमआर सीट पर बच्चों को रोलनम्बर भरने तथा गोला बनाए जाने के कार्यक्रम की सराहना की। उन्होंने कहा कि इस तरह के कार्यक्रम चलाने से बच्चों को परीक्षाओं में ओएमआर सीट में गोले बनाने में कोई परेशानी व गलती नहीं कर पायगा। क्योंकि उनको ओएमआर सीट में गोले भरने का पहले ही अभ्यास हो जाता है। बच्चों के सुलेख व लिखाई सुधारने के अभियान की भी प्रशंसा की गई। चूंकि पिछले कई वर्षों से शारीरिक शिक्षक पीकू बच्चों की लिखाई सुधारने के लिए सुलेख आदि भी लिखवाते हैं।



भिवानी। आयोजित कार्यक्रम में बच्चों द्वारा भरी गई ओएमआर सीट को देखते हुए।

और केक कटवाया। यहां यह बताते चले कि उक्त स्कूल में पिछले कई वर्षों से बेटियों का जन्मदिन मनाया जा रहा है। जो कि समाज के लिए एक

अच्छी परम्परा है। इस अवसर पर योगेश ठिकाव, लक्ष्मी देवी गणित अध्यापिका, गुड्डी देवी, अनिल हिंदी अध्यापक, नवीन ढांडा, बिमला,

सुदेश, सुमन आदि मौजूद थीं। उक्त कार्यक्रम का आयोजन बदलाव की पाठशाला के तत्वावधान में किया गया।

खिलाड़ियों को अतिरिक्त अंक देने की मांग रखी

इस दौरान स्कूल मुखिया कृष्ण कुमार व शारीरिक शिक्षक पीकू ने संयुक्त रूप से ओएसडी के समक्ष खेलों में बेहतरीन प्रदर्शन करने वाले खिलाड़ियों को अतिरिक्त अंक देने की मांग रखी। उनका कहना था कि अगर बच्चों को बोर्ड की परीक्षाओं में अतिरिक्त अंक दिए जाएं तो बच्चों का खेलों की तरफ भी रुझान बना रहता है। उन्होंने बताया कि महाराष्ट्र व केरल में इसी तरह से बच्चों को अतिरिक्त अंक दिए जाते हैं। कई अन्य प्रदेशों में भी इसी तरह से बच्चों को अंक दिए जाते हैं। इनके अलावा शारीरिक शिक्षक विनोद पीकू ने बच्चों को शिक्षा बोर्ड का भ्रमण कराए जाने, ओएमआर सीट में गोले पूरे भरने आदि की जानकारी दिलाए जाने की मांग की। जिस पर उन्होंने अगले सप्ताह शिक्षा बोर्ड का भ्रमण करवाए जाने का मरोसा दिलाया।

शहर में खुले नालों की जगह पाइप लाइन डालनी शुरू की

दस किलोमीटर लंबी डाली जाएगी सीमेंट की 24 इंची पाइप लाइन: भवानी प्रताप

हरिभूमि न्यूज़ ►► भिवानी

शहर के लोगों के लिए राहत भरी खबर। अब बारिश के दिनों में नालों के ओवर होने या शिल्ट से अटने की समस्या से दो चार नहीं होना पड़ेगा। नगरपरिषद ने अपने सभी खुले नालों की जगह सीमेंट के पाइप लाइन डलवाने का रहीं है। इसी क्रम में शनिवार को रोहतक गेट से नप चेयरपर्सन प्रतिनिधि भवानी प्रताप सिंह ने पाइप लाइन डाले जाने के कार्य का श्रीगणेश करवाया।

उन्होंने बताया कि नगरपरिषद के करीब दस किलोमीटर लंबे खुले नालों की जगह अब 24 इंची पाइप लाइन डाली जाएगी। ताकि बारिश के दिनों में शहर का पानी आसानी से निकाला जा सके। यहां यह बताते चले कि शहर में नगरपरिषद ने बारिश के पानी की निकासी के लिए करीब दस किलोमीटर के दायरे में नाले बनाए हुए हैं। खुले नालों में लोग अक्सर कचरा या अपने आप उड़कर रेत आदि चला जाता है।

जिस वजह से इनमें शिल्ट जम जाती है। बारिश का सीजन शुरू होने तक इनमें उपर तक शिल्ट जमा हो जाती है। अगर इस दौरान इनकी सफाई न करवाई जाए तो बारिश के सीजन में पानी आगे बहने की बजाए शहर की सड़कों पर ही जमा हो जाता है। जिससे शहर बारिश के पानी से जाम होता है। अब पाइप लाइन डाली जाने के बाद इनमें न तो लोग कचरा डाल पाएंगे और न ही रेत मिट्टी जाएगी। जिसके चलते पाइप लाइन से पानी आसानी से निकल जाएगा।

शनिवार को रोहतक गेट से नप चेयरपर्सन प्रतिनिधि भवानी प्रताप सिंह ने पाइप लाइन डाले जाने के कार्य का श्रीगणेश करवाया।



भिवानी। नप द्वारा डलवाई गई पाइप लाइन का दृश्य और लाइन डालने के लिए निकाली गई मिट्टी।



ढाई करोड़ रुपये की लागत से डाली जाएगी दस किलोमीटर लंबी लाइन

नगरपरिषद द्वारा करीब ढाई करोड़ की लागत से शहर में दस किलोमीटर लंबी लाइन डाली जाएगी। फिलहाल यह लाइन करीब 24 इंच मोटी सीमेंट की पाइप लाइन है। जिससे शहर में जमा बारिश के पानी को आसानी से निकाला जा सकेगा। सही ढंग से पानी की निकासी के लिए करीब 60से 70 फुट की जगह पर मेनहोल बनाए जाएंगे, साथ ही वहां पर लौहे की जाली भी लगाई जा रही है। ताकि बारिश का पानी आसानी से मेनहोल के जरिए पाइपों तक पहुंच जाए। फिलहाल फैंसी चौक से लेकर लिबर्टी सीमाएं हॉल, कृष्णा कॉलोनी तथा जहां जहां पर नप के खुले नाले हैं। वहां पर पाइप लाइन डाली जाएगी।

क्या कहते हैं नप चेयरपर्सन प्रतिनिधि

नगरपरिषद के चेयरपर्सन प्रतिनिधि भवानी प्रताप सिंह ने बताया कि शहर में नप के जितने भी खुले नाले हैं। उन सभी पाइप लाइन डाली जाएगी। ताकि पानी की निकासी सही ढंग से हो सके। उक्त पाइप लाइन डालने पर करीब ढाई करोड़ रुपये की लागत आएगी। इन पाइपों के लाइनों के डाले जाने के बाद नाले अटने की समस्या नहीं रहेगी। साथ ही नालों की जगह पर अतिक्रमण नहीं हो सकेगा। रास्ते पूरे चौड़े बने रहेंगे।

लावारिश गोवंश किसानों की सबसे बड़ी आफत सीवरेज के मेनहोल निर्माण में खरती जा रही अनियमितताएं

बढ़ती टंड के बीच किसानों की पहरेदादरी में कट रही हैं रातें

मिनटों में चट कर जाती है खड़ी फसल को

गोहू, सरसों की बिजाई की गई है जो अब बहुत स्थिति में खड़ी है लेकिन लावारिश पशुओं की टोलियां चंद मिनटों में ही पूरे खेत में खड़ी फसल को खाकर व उसे रौंद कर बबाई कर जाते हैं। लावारिश पशुओं की बढ़ती संख्या उनके लिए परेशानी का कारण बनता जा रहा है। इन पशुओं की व्यवस्था को लेकर उन्होंने जिला प्रशासन से बाढ़ड़ा क्षेत्र के लावारिश पशुओं की व्यवस्था करने की मांग की।

दिन खेतों में पहरा देते हैं और जरा सी लापरवाही होते ही ये पशु पूरी फसल का काम तमाम कर डालते हैं। यहां यह गौरतलब होगा कि बाढ़ड़ा क्षेत्र में नीलगाय पहले से ही किसानों के लिए बड़ी चुनौती रही हैं और अब लावारिश गायों की बढ़ती संख्या ने तो किसानों का सुख-चैन छीन लिया है। किसान दलबीर, अशोक, लीलाराम, अनिल, सुरेश, प्रविंद्र आदि ने बताया कि हर गांव में दर्जनों की संख्या में विदेशी नरल के गाय-

बछड़े घूम रहे हैं जो कि मौका मिलते ही फसलों को अपना ग्रास बना लेते हैं। इनमें से बहुत से पशु हिंसक भी हो चुके हैं तथा पालतु पशुओं व किसानों को ज मी कर डालते हैं। किसान इन पशुओं को दूसरे क्षेत्रों में धकेलने का प्रयास करते हैं तो कई बार किसानों के बीच टकराव की नौबत पैदा हो जाती है। इन दिनों बाढ़ड़ा क्षेत्र के बड़े-बड़े गांवों व आस-पास के इलाके में इन दिनों आवारा पशुओं ने तांडव मचा रखा है।

हरिभूमि न्यूज़ ►► बहल

कस्बे में चल रहे सीवरेज सिस्टम के काम में बहल भिवानी में रोड पर जो लाइन डालने का काम किया जा रहा है उसमें भारी अनियमितताएं सामने आ रही हैं। कहीं ईटें निम्नस्तर की लगाई जा रही हैं तो कहीं पर चैंबर सही नहीं बनाए जा रहे हैं।

इस बारे में जब लोग आवाज उठाते हैं तो वहां लीपापोती कर दी जाती है। कुछ समय पहले मैन रोड पर मंगल मार्केट के सामने घटिया क्वालिटी को ईटें डाली गई थी जो लोगों के विरोध के बाद उनको बदला गया था। अब, पुराने आरडीएनएल स्कूल के सामने जो चैंबर बनाया गया उसमें लेंटर सही तरीके से नहीं डाला गया है। लेंटर की छत में जगह जगह सीमेंट की कमी छोड़ दी गई है जो भविष्य में परेशानी का कारण बन



बहल। कस्बे में चल रहे सीवरेज के काम में बनाया गया चैंबर जिसका लेंटर सही नहीं डाला गया है।

सकता है। लोगों का कहना है कि अगर कोई भारी वाहन इस चैंबर पर से गुजरेगा तो यह निश्चित रूप से उसका भार नहीं सह पाएगा और दरक जाएगा जो किसी भी बड़ी दुर्घटना का कारण बन जाएगा। लोगों ने कहा कि सीमेंट के काम में जगह जगह कमियां रखी जा रही हैं जो भविष्य में

एक साइड का काम पूरा कर दूसरी साइड का शुरू करें

लोगों ने प्रशाशन से मांग की है कि सीवरेज के काम पूरे कस्बे में एक साथ शुरू ना किया जाए। किसी भी एक साइड का शुरू करने के बाद पहले उसे पूरा करे और फिर अगली साइड का काम शुरू करें। ऐसा करने से लोग अनावश्यक परेशानी से बच सकेंगे। लोगों ने यह भी मांग की है कि जिस भी क्षेत्र में काम शुरू किया जाए तो वहां कम से कम एक सप्ताह पहले वहां के लोगों को सूचित किया जाना चाहिए।

बड़ी परेशानी की वजह बन सकता है। लोगों ने प्रशासन से मांग की है कि सीवरेज के कार्य के सही क्रियान्वयन के लिए किसी उच्चाधिकारी की देखरेख में करवाए ताकि काम पारदर्शिता के साथ पूरा हो।

जूनियर नेशनल हैंडबॉल चैंपियनशिप के लिए हरियाणा टीम का चयन

250 खिलाड़ियों में से चुने गए 30 सर्वश्रेष्ठ खिलाड़ी

हरिभूमि न्यूज़ ►► भिवानी

हरियाणा के हैंडबॉल कोर्ट पर एक बार फिर प्रतिभाओं का हुजूम उमड़ पड़ा। दिल्ली में होने वाली 47वीं एचएफआई जूनियर बॉयज नेशनल हैंडबॉल चैंपियनशिप के लिए हरियाणा की टीम के चयन के लिए गांव सरल स्थित एमडी सीनियर सैकेडरी स्कूल में चयन ट्रायल हुआ। कोच विवेक खरकिया ने बताया कि ट्रायल में पूरे प्रदेश से लगभग 250 उभरते हैंडबॉल खिलाड़ियों ने हिस्सा लिया। मैदान पर खिलाड़ियों के बीच कड़ी प्रतिस्पर्धा देखने को मिली, जिसके बाद चयनकर्ताओं ने



भिवानी। जूनियर नेशनल हैंडबॉल चैंपियनशिप की ट्रायल में भाग लेते खिलाड़ी।

उनकी तकनीक, फिटनेस व खेल कौशल आधार पर 30 सर्वश्रेष्ठ खिलाड़ियों का चयन प्रशिक्षण कैंप के लिए किया है। उन्होंने बताया

कि चयनित 30 खिलाड़ियों के लिए एमडी स्कूल सरल में ही विशेष प्रशिक्षण शिविर लगाया जाएगा।

हरियाणा की हैंडबॉल टीम का चयन

कैंप के दौरान खिलाड़ियों के तालमेल और रणनीतिक कौशल को निखारा जाएगा। इसी कैंप के अंतिम प्रदर्शन के आधार पर दिल्ली जाने वाली मुख्य टीम का सेलान होगा। उन्होंने बताया कि हरियाणा चयनित टीम 10 से 14 जनवरी तक दिल्ली में होने वाली राष्ट्रीय चैंपियनशिप में राज्य का प्रतिनिधित्व करेगी। हरियाणा की टीम इस बार भी स्वर्ण पदक की प्रबल दावेदार बनकर उभरेगी। उन्होंने कहा कि खिलाड़ी आयु में धांधली न कर सकें, इसलिये सभी के जन्म प्रमाण पत्र की जांच संबंधित जिले के सरकारी अस्पताल से करवाई जायेगी। जन्म प्रमाण पत्र का पंजीकरण जन्म के पांच साल के अन्तर्गत होना अनिवार्य है। सरकिया ने बताया कि उनका लक्ष्य एक ऐसी टीम चुनना है जो न केवल शारीरिक रूप से मजबूत हो, बल्कि मानसिक रूप से भी नेशनल लेवल के दबाव को झेल सके। हरियाणा हमेशा से हैंडबॉल की नर्सरी रहा है, और इस बार भी हम दिल्ली से ट्राफी लाने के संकल्प के साथ उतरेगे।

हरिभूमि पाठकों के लिए विशेष सौगात

पंचांग-2026

आज दिनांक 28 दिसम्बर 2025 (रविवार) के अंक के साथ

पंचांग मूल्य : रुपये 3.00/-

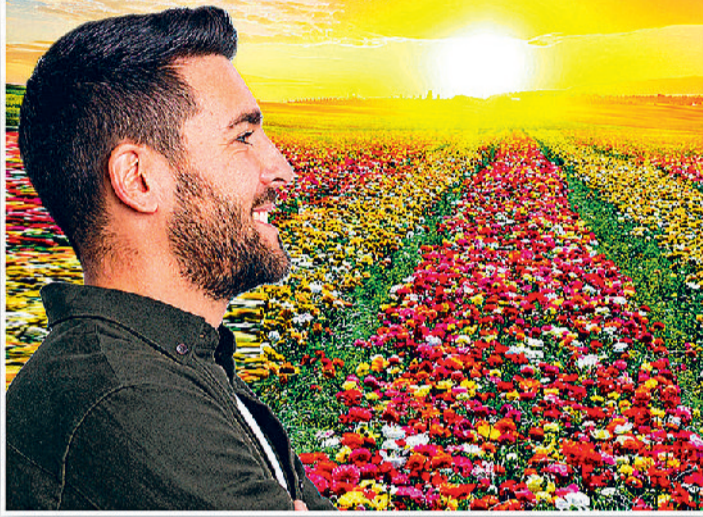
*समाचार पत्र मूल्य के अतिरिक्त।

आज ही वितरक से अपनी प्रति प्राप्त करें।

नववर्ष का संदेश लेकर नववर्ष द्वार पर खड़ा है। उसका स्वागत हम पूरे उत्साह-उमंग के साथ अवश्य करें। साथ ही आगामी नववर्ष में न केवल अपने जीवन को, अपने से जुड़े लोगों, समाज और पर्यावरण को बेहतर बनाने का संकल्प भी जरूर लें। न केवल संकल्प लें, उसे क्रियान्वित करने के लिए भी समग्र ऊर्जा से सक्रिय रहें। तभी आगामी वर्ष में चहुंओर नवचेतना का संचार होगा।

आवरण कथा
कुमार राधारमण

नववर्ष में हम करें नवचेतना का संचार



वर्तमान साल बीत रहा है। नए साल ने दस्तक दे दी है। नया साल सिर्फ कैलेंडर का बदल जाना नहीं होता है। यह बीत रहे साल की समीक्षा का अवसर भी है। हम सबकी कुछ अच्छी और कुछ कड़वी यादें इससे जुड़ी होंगी। नया साल विगत की अनुकूल स्मृतियों को सहेजने, उसे नए साल में नई ऊंचाइयों देने का अवसर है। यह प्रतिकूलताओं से सबक लेने का मौका है। जीवन की हर घटना सीखने का अवसर भी होती है। हम सब कई बार चूकते हैं। हमारी चूक निराशा का कारण न बने, हम अपनी गलतियों से सीखें। इसी में वर्तमान का उल्लास भी है और भविष्य का सुनहरा स्वप्न भी।

बनाए रखेंगे सकारात्मक दृष्टिकोण: नया साल, नए उत्साह, नई संभावनाओं, नए सपनों और नए संकल्पों को नए पंख देने का अवसर है। जीवन में हमेशा एक नई शुरुआत संभव है। बीत रहा साल चाहे जैसा रहा हो, नए साल में हम अपनी कहानी फिर से लिख सकते हैं। हर नए दिन का उपयोग हम अपने लक्ष्य के करीब जाने के लिए कर सकते हैं। यह सकारात्मक सोच से ही संभव होगा, क्योंकि चुनौतियों को अवसर में बदलने की क्षमता तभी विकसित होती है। हर समस्या, अपना समाधान भी लिए होती है। इसलिए,



बीता साल जैसा भी रहा, उसे धन्यवाद दें कि हमारे जीवन में एक महत्वपूर्ण प्रसंग उपस्थित हुआ। धन्यवाद इसलिए कि बीते साल की सफलताओं ने हमको आत्मविश्वास दिया, खुशियां दीं और असफलताओं ने हमको मजबूत, संवेदनशील और समझदार बनाया। प्रकृति नित नूतन है। यह नूतनता पुराने के प्रति आग्रह छोड़ने का निमंत्रण है। विगत चाहे स्वर्णकाल रहा हो, हमारी आज की चुनौतियां नई हैं और हमें आज की परिस्थितियों में निखरने के लिए हमेशा अपने मन के द्वार नए के लिए खुले रखने होंगे। विकास की यही परिभाषा है। सिर्फ व्यापार को ही नहीं, मन को भी मुक्त करने की जरूरत है। सभी समस्याओं की जड़ भूत और भविष्य से बंधा हमारा मन ही है, जबकि चुनौतियां वर्तमान की हैं। मुक्त मन समावेशी तो होता ही है, दूसरों की मुक्ति के द्वार भी खोलता है।

सीखेंगे नित नए कौशल: तेजी से बदलती इस दुनिया में निरंतर सीखना और अपना कौशल विकास करते रहना जरूरी है। व्यस्तता हमें अनचाहे ही अक्सर अपने प्रियजनों से दूर कर देती है। वास्तविक दुनिया के लोगों के साथ गुणवत्तापूर्ण समय बिताना ही हमारा संकल्प हो। इससे क्षमाभाव मजबूत होगा, पुरानी कड़वाहट दूर होगी, संबंधों में प्रगाढ़ता आएगी, मन हलका और खुश रहेगा। अपने लिए यथार्थवादी लक्ष्य निर्धारित करें। बड़े सपने देखें, बशर्ते उसे कार्यरूप देने का सामर्थ्य भी हम में हो।

तन-मन का रखेंगे ध्यान: स्वास्थ्य से बढ़कर कुछ भी नहीं। संतुलित आहार और पर्याप्त नींद भी हमारे संकल्प का हिस्सा हो। मौजूदा उन्मादी दौर में मानसिक स्वास्थ्य से ध्यान रखना भी जरूरी है। तनाव प्रबंधन सीखना और सकारात्मक मानसिकता विकसित करना आधुनिक जीवन की आवश्यकता है। हर हाल में अच्छाई खोजना और आशावादी रहना जीवन को रूपांतरित कर देता है। हम सक्षम हैं और सफल होने के योग्य हैं, यह विश्वास सदा बना रहे। विंस्टन चर्चिल का प्रसिद्ध कथन है कि न तो सफलता अंतिम होती है, न असफलता घातक होती है, असली बात यह है कि आपमें जारी रखने का साहस है या नहीं।

धनार्जन भी है जरूरी: धन भी महत्वपूर्ण है। गरीब रखने वाली विचारधारा से दूर रहें। वित्तीय लक्ष्य तय करें। बचत और निवेश जरूरी है। व्यस्तता हमें अनचाहे ही अक्सर अपने प्रियजनों से दूर कर देती है। वास्तविक दुनिया के लोगों के साथ गुणवत्तापूर्ण समय बिताना ही हमारा संकल्प हो। इससे क्षमाभाव मजबूत होगा, पुरानी कड़वाहट दूर होगी, संबंधों में प्रगाढ़ता आएगी, मन हलका और खुश रहेगा। अपने लिए यथार्थवादी लक्ष्य निर्धारित करें। बड़े सपने देखें, बशर्ते उसे कार्यरूप देने का सामर्थ्य भी हम में हो।



अनिश्चितताओं से भरा है। अगली पीढ़ी के लिए सब सोचना आपका ही दायित्व नहीं है, अगली पीढ़ी खुद भी अपने लिए करेगी ही। आप अपने वर्तमान को स्वर्णिम बनाएं। जब आप खुब धन कमा लेंगे, एक दिन वही धन ऊब पैदा करने लगेंगा। भौतिक धन परमधन को पाने का साधन मात्र रहे। पावर ऑफ मैनिफेस्टेशन का उपयोग केवल धन को आकर्षित करने के लिए न करें। हमारे पास जो

कुछ भी है, उसके प्रति कृतज्ञता से जीवन में अच्छाई को आकर्षित करना भी सीखें। रहेंगे खुद के करीब: समय धन से भी अधिक कीमती है। इसका सदुपयोग करें। आलस्य छोड़ें, तभी हम अधिक उत्पादक और सफल बन पाएंगे। आलस्य छोड़ने का मतलब हर समय व्यस्त रहना नहीं है। आराम और मनोरंजन भी महत्वपूर्ण हैं। संतुलन चाहिए। आत्म-प्रेम समग्र विकास के लिए जरूरी है। अपनी रचनात्मक अभिव्यक्ति के लिए समय निकालना हमारे जीवन को समृद्ध बनाता है। लिहाजा, रोजमर्रा के जीवन में कुछ पल ऐसे जरूर हों, जो नितांत निजी हों, जिसमें मोबाइल की भी दखल न हो। अपने लिए समय निकालना जरूरी है। लेकिन यह औरों के बनाए रील्स देखने के लिए न हो। यह समय अपनी पसंद के काम करने, किताबें पढ़ने, संगीत सुनने, ध्यान करने या प्रकृति से जुड़ने का हो जो हमको तरोताजा कर दे।

समाज-पर्यावरण का रखेंगे ध्यान: सभ्य नागरिक अपने समाज और पर्यावरण के प्रति भी जिम्मेदार होता है। हमारी पृथ्वी रहने लायक बनी रहे, आने वाली पीढ़ियों के लिए हम आदर्श बनें, नया साल इस संकल्प से भरने का समय भी है। जरूरतमंदों की मदद और सामाजिक कार्यों में भागीदारी आंतरिक संतुष्टि देती है। अपने कंफर्ट जोन से बाहर निकलें और नई चीजें आजमाने का साहस रखें। जीवन एक साहसिक यात्रा है और नए अनुभव हमें जीवंत और उत्साहित रखते हैं। सच्ची खुशी और संतुष्टि अनुभव, रिश्ते और भीतरी शांति ही देती है।

शांति के लिए करेंगे प्रयास: इस समय दुनिया भर में राजनीतिक और आर्थिक कारणों से अस्थिरता, अनिश्चितता का माहौल है। भय और चिंता के इस परिदृश्य में, अंतर्मन की जितनी जरूरत आज है, पिछले कुछ दशकों में शायद ही रही हो। युद्धों की आहट अनेक आशंकाएं पैदा कर रही हैं। हमारी वास्तविक जरूरत शांति है। शांत मन ही गहरी से गहरी समस्या का सम्यक समाधान तलाश सकता है और एक बेहतर जीवन की ठोस आधारशिला तैयार कर सकता है। विश्व शांति किसी धर्म या हथियार से नहीं, बल्कि जागरूकता से, हृदय से आ सकती है और उसका मार्ग ध्यान है। इसी से मनुष्य, मनुष्य से जुड़ा महसूस करेगा। प्रतिकूल समय में ही ज्ञान, धर्म, साहस और ऊर्जा की परीक्षा होती है।

असली ज्ञान, ऊर्जा, धर्म और पाकर्म यह है कि हम जहां भी हों, वहां के आस-पास की प्रकृति कोमल हो जाए। हम जिनके बीच रहें, उनकी भलाई स्वतः प्रकट होने लगे। हमारे भीतर इतनी गहरी शांति उतर आए कि सबके प्रति एक स्वीकार भाव हो। हम इसके लिए अपने स्तर पर अवश्य प्रयास करेंगे, ऐसा संकल्प जरूर लें। तब निश्चय ही आगामी वर्ष खुशहाली से भरपूर होगा। *



विशेष : वैश्विक परिवार दिवस, 1 जनवरी

वर्ष का पहला दिन यानी 1 जनवरी को पूरी दुनिया में ग्लोबल फैमिली-डे मनाया जाता है। इस दिन को मनाने का उद्देश्य परिवार की महत्ता को समझना और पारिवारिक प्रेम-सौहार्द की भावना को व्यक्तिगत जीवन से लेकर समाज, देश ही नहीं पूरे विश्व में प्रसारित करना है।

व्यक्तिगत से वैश्विक कुटुंब तक बना रहे प्रेम-सौहार्द-शांति

आह्वान / शिखर चंद जैन

हर वर्ष 1 जनवरी को ग्लोबल फैमिली-डे यानी वैश्विक परिवार दिवस मनाया जाता है। यह दिन दुनिया भर के लोगों को एक बड़े वैश्विक परिवार के रूप में जोड़ने के साथ ही उनमें शांति, एकता, प्रेम और सौहार्द के मूल्यों को बढ़ावा देने के लिए प्रेरित करता है। **भारत की प्राचीन अवधारणा:** हमारे देश में तो प्राचीन काल से ही 'वसुधैव कुटुंबकम' की अवधारणा को महत्व दिया जाता रहा है। लेकिन आधुनिक विश्व में ग्लोबल फैमिली-डे मनाने की शुरुआत, संयुक्त राष्ट्र के 'शांति के एक दिन' की विचारधारा से हुई थी। इसे देश, धर्म या नस्ल की सीमाओं से परे सभी लोगों द्वारा मिलकर मनाया जाता है। इस प्रकार यह दिन प्रेम और सद्भाव फैलाने पर जोर देता है। यह दिन हमें दूर-दूर तक फैलाने पर जोर देता है। यह दिन हमें दूर-दूर तक फैलाने पर जोर देता है। यह दिन हमें दूर-दूर तक फैलाने पर जोर देता है।



कब-कैसे हुई शुरुआत: वैश्विक परिवार दिवस मनाने का विचार पिछली सदी में एक किताब से आया था। इसकी शुरुआत 1990 के दशक के अंत में हुई, जब 1997 में संयुक्त राष्ट्र महासभा ने वर्ष 2000 को 'शांति की संस्कृति के लिए अंतरराष्ट्रीय दशक और विश्व के बच्चों के लिए अहिंसा' के रूप में घोषित किया। इस अवधारणा को स्टीव डायमंड और एलन सिल्वरस्टीन द्वारा लिखित बच्चों की एक किताब 'वन डे इन पीस, जनवरी 01, 2000' से प्रेरणा मिली। इस कहानी में एक ऐसी दुनिया की कल्पना की गई थी, जहां लोग 1 जनवरी को अपने सभी मतभेदों को एक तरफ रख देते हैं और भाईचारे की भावना का जश्न मनाते हैं। इसमें 'शांति का एक दिन' समारोह की शुरुआत की। 1999 में, संयुक्त राष्ट्र के सदस्यों को शांति लाने के लिए



या कहानियों को साझा करके वैश्विक विविधता की भावना को मजबूत किया जा सकता है। **अंतरराष्ट्रीय परिवार दिवस से अलग:** हालांकि इस दिन को मनाने की शुरुआत मुख्य रूप से संयुक्त राज्य अमेरिका में हुई, लेकिन इसे अब दुनिया भर के लगभग हर देश के परिवारों द्वारा मनाया जाता है, जिसमें हर देश और संस्कृति के लोग शामिल होते हैं। इससे मिलता-जुलता एक और महत्वपूर्ण दिवस अंतरराष्ट्रीय परिवार दिवस (इंटरनेशनल डे ऑफ फैमिलीज) भी है, जो हर साल 15 मई को मनाया जाता है, इसे भी संयुक्त राष्ट्र ने ही घोषित किया था और यह भी परिवार के महत्त्व पर केंद्रित है। *



खंयग / अशुभाली रस्तोमी

ठंड में चोरी करना आसान काम नहीं। जब लोग अपनी-अपनी रजाइयों में छिपे-दुबके बैठे होते हैं, तब चोर उनके घरों में चोरी करने उतरते हैं। एक तरफ ठंड का सितम, दूसरी तरफ पकड़े जाने का डर। फिर भी, वे अपने कर्म पथ पर डटे रहते हैं।

ठंड और चोर



इन दिनों ठंड आतंक मचाए हुए है। रजाई से बाहर निकलने का मन नहीं करता। न नहाने का दिल करता है। जी करता है, पूरे टाइम रजाई में सिकुड़े पड़े रहो। लेकिन मैं दाद देता हूँ उन चोरों को, जो भीषण ठंड में भी चोरी कर रहे हैं। ठंड में चोरी करना आसान काम नहीं। जब लोग अपनी-अपनी रजाइयों में छिपे-दुबके बैठे होते हैं, तब चोर उनके घरों में चोरी करने उतरते हैं। एक तरफ ठंड का सितम, दूसरी तरफ पकड़े जाने का डर। फिर भी, वे अपने कर्म पथ पर डटे रहते हैं। पापी पेट क्या-क्या नहीं करवा लेता। आज के जमाने में चोरी करना पाप कैसे कहा जा सकता है! बदलते समय के साथ चोरी के तरीके भी काफी बदल गए हैं। कुछ चोरियां अब ऐसी भी हैं, जिनके लिए घर से बाहर निकलना ही नहीं पड़ता। वे घर बैठे-बैठे ही हो जाती हैं। ऑनलाइन ठगी (चोरी) में कहीं जाने की जरूरत नहीं। कहीं से भी बैठकर किसी के भी बैंक खाते से रुपए उड़ाए जा सकते हैं। ये चोर बेहद शांतिर होते हैं। बातें बनाकर फंसाने में माहिर होते हैं। इधर सावधानी घटी, उधर काम तमाम हुआ। लेकिन ऑनलाइन चोर पारंपरिक चोरों की तरह मेहनती नहीं होते। माना

कि ऑनलाइन चोरी में मुनाफा अधिक है किंतु जमीनी अनुभव न के बराबर है। ऐसी चोरी भला किस काम की, जिसमें हाथ-पैर न हिलाने पड़ें।

अब तो पारंपरिक चोरों ने भी ऑनलाइन चोरी का रास्ता पकड़ लिया है। वे भी अधिक मेहनत करने से कतराने लगे हैं। चोरी की लाइन में नई पीढ़ी जो आ रही है, उसका झुकाव ऑनलाइन ठगी की तरफ ज्यादा है। चोरी के नए-नए तरीके उसने ईजाद कर लिए हैं। फोन पर लोगों को उल्टू बनाकर खाते से पलभर में रुपया सफा-चट कर रहे हैं।

लेकिन मुझे तो जमीन से जुड़े पारंपरिक चोर ही अधिक पसंद हैं। वे चोरी करते हैं तो लगता है कि वास्तविक चोरी हुई है। चोरी की रपट लिखी जाती है। पुलिस मौका-ए-वारदात पर पहुंचती है। चोरी गई चीजों का हिसाब-किताब लगाया जाता है। ध्यान रहे, चोरी में गहने जरूर चुरते हैं। नकदी पर भी हाथ साफ किया जाता है। घर वाली, आस-पड़ोस, नौकर-चाकर से पूछताछ होती है। खबर अखबारों में छपती है। चार जन चाय और पान के खोके पर चर्चा करते हैं। मोहल्ले में दहशत का सा माहौल बनता है। चोरी होने वाले घर का दूर-दूर तक नाम होता है। कुछ भी चाहिए, सीन पारंपरिक चोरी में ही बनता है।

विकट ठंड में चोरी कंपकंपी लुड़ा देती है। मगर पापी पेट की खातिर उन्हें यह करना पड़ता है। आखिर उनका भी परिवार है। उन्हें भी अपने शौक पूरे करने हैं। बीवी को पसंद और बच्चों की पढ़ाई-लिखाई का भी ध्यान रखना है। चोरों का भी दिल होता है। मैंने कहानियों में कई ऐसे चोरों के बारे में सुने रखे हैं, जो चोरी की कमाई गरीबों में बांट दिया करते थे। कभी निम्न वर्ग को परेशान नहीं करते थे। उनके टारगेट पर हमेशा धनसंभूत ही रहा करते थे। कितने दयावान चोर थे वे। मेरा मानना है कि चोरी करना, कविता या व्यंग्य लिखने से कहीं कठिन काम है। जितनी अक्ल चोरी करने में लगानी पड़ती है न, उतनी गणित के सवाल हल करने में नहीं। लेकिन लोग हैं कि चोरों को हमेशा बद-दुआएं देते हैं। कभी उनका आदर-सम्मान नहीं करते। चोर हैं तो क्या, ईंसान तो वे भी हैं। इतना तय है कि धरती से जैसे भ्रष्टाचार कभी नहीं मिट सकता, वैसे ही चोरी भी कभी खत्म नहीं हो सकती। चोरों में भी नई-नई नस्लें आती रहेंगी। नए-नए तरीके चोरी के ईजाद किए जाते रहेंगे परंतु चोरियां खत्म कभी न होंगी। ठंड के मौसम में चोरी करना निश्चित ही कर्म का है। मेरे विचार में ऐसे वीर चोरों को कोई न कोई पुरस्कार भी जरूर मिलना चाहिए! नहीं क्या...! *

इंजेक्शन की नवीन तकनीक से स्पाइन रोगों का उपचार

सर्जरी के बिना ही सिर्फ इंजेक्शन तकनीक के जरिये स्पाइन (रीढ़) रोगों का बेहतर और विश्वसनीय उपचार विश्वविख्यात डॉ. प्रमोद पहारिया द्वारा ग्वालियर में हो रहा है। आइये जानते हैं इस तकनीक के असाधारण लाभ-

दोबारा दबाव आ जाता है तो उसमें भी यह तकनीकी कारण है। किस उम्र के लिये यह चिकित्सा है? 15 से 85 वर्ष के मरीजों के लिये। एक डिस्क लेवल के ट्रीटमेंट में कितना खर्च आता है? स्पाइन सर्जरी में जहां 3 लाख तक का खर्चा आता है वहीं यह उपचार मात्र 20000 तक में हो जाता है। विदेशों में इसका खर्च 50 गुना तक है।

सर्जरी की अपेक्षा इस तकनीक के क्या फायदे हैं? सर्जरी के दौरान पैरालिसिस, पैलाप्लेजिया, ब्लैडर एवं बोवेल के कंट्रोल में क्षति, पैरों में कमजोरी, इंफेक्शन, इंप्लान्ट फैलियर जैसे जो कॉम्प्लिकेशन देखने को मिलते हैं, वैसा इसमें खतरा नहीं है।

किस मरीजों का इलाज इस तकनीक से संभव है? डिस्क प्रोलेप्स जैसे L4-L5, L5-S1, साइटिका, लंबर या सर्वाइकल रेडीक्युलोपैथी, डिजरनेरेटिव डिस्क, फैसिट जॉइंट सिंड्रोम, माइल्रोपैथी, लंबर कैनल स्टेनोसिस, स्पाइंडलाइटिस आदि में कारण है।

जो रोगी ऑपरेशन करवा चुके हैं उसमें भी यह कारण है? यदि ऑपरेशन के बाद दबाव बना रहता या

डॉ. प्रमोद पहारिया स्पाइन सर्जन

देहली हॉस्पिटल, ओल्ड श्री टॉकीज, बारादरी, मुरार, ग्वालियर (म.प्र.)

समय : दोपहर 12 बजे से 3 बजे तक

व्हाट्सएप पर रिपोर्ट भेजकर ही संपर्क करें

सम्पर्क - 7354858466 | www.nonsurgicalspinecentre.in

MBBS, D.Ortho, DNB, M.Ch. (Ortho) पूर्व सर्जन- सर गंगाराम हॉस्पिटल एवं इंडियन स्पाइनल इंज्यूरी सेन्टर, नई दिल्ली



सेलिब्रेशन / लोकमित्र गौतम

साल 2025 विदा होने वाला है। इसके साथ ही नया साल 2026 आने के लिए तैयार है। बीते साल की विदाई और नए साल के स्वागत में पूरी दुनिया में दिसंबर माह के आखिरी सप्ताह में जश्न का माहौल रहता है। अपने देश में भी क्रिसमस के बाद सड़कों पर शाम होते ही रोशनी जगमगाने लगती है। बाजारों में चहल-पहल बढ़ जाती है और हर जगह अलविदा-ए-जश्न के रंग-बिरंगे पोस्टर चस्पा हो जाते हैं। वास्तव में अब नए वर्ष का स्वागत, धर्म-समुदाय से ऊपर उठकर साझे जश्न का पर्व बनकर उभरा है। यही कारण है कि उत्तर से दक्षिण और पूर्व से पश्चिम तक दुनिया के हर कोने में 31 दिसंबर की रात जश्न की रात होती है। हर साल की तरह इस साल भी नए साल के स्वागत में जश्न मनाने के लिए तैयार देश के कई शहर खासतौर पर तैयार हो रहे हैं।

दिल्ली हेरिटेज स्टाइल का सेलिब्रेशन: दिल्ली की सदी और न्यू ईयर के जश्न का जादू एक ऐसा सदाबहार कॉम्बिनेशन है, जिसका कहीं से कोई मुकाबला नहीं। इंडिया गेट के आस-पास होने वाले लाइट शो, राजघराने के कैफे में थीम नाइट्स और फाइव स्टार होटलों में क्लासिक प्रयोजन, न्यू ईयर ईव डिनर, सब सेलिब्रेशन मोड पर पहुंच चुके हैं। दिल्ली की खासियत है, यहां लोगों की गैदरिंग और



पसंद के हिसाब से हर तरह की पार्टियों का आयोजन किया जाता है। चाहे रॉयल हो या आधुनिक, शांत या उत्साह के शोर से भरपूर। यहां न्यू ईयर ईव के जश्न का हर रंग मौजूद होता है। जिसमें यहां आकर ही फील किया जा सकता है।

गोवा सजने-संवरने लगे हैं सी-बीच: गोवा के समुद्रतट पर नए साल के जश्न की तैयारियां जोर-शोर से शुरू हो गई हैं। इसमें कोई दो राय नहीं है कि गोवा की सागरतटीय रेत, इस बार भी विदाई पार्टियों की राजधानी बनेगी। अलग-अलग स्पेशल शोज के साथ निजी बीच क्लबों की झूमती डीजे नाइट्स की टिकट रिपोर्टें बुकिंग के साथ बीते सालों की तरह अपने मेहमानों का इंतजार कर रही हैं। लहरों पर लरजती रोशनी, रात भर मस्ती के आलाप में मगन रहने वाली धुनें और समुद्र के किनारे का

बीत रहे साल की विदाई और नए साल के स्वागत का जश्न पूरी दुनिया में उत्साह-उमंग से मनाया जाता है। अपने देश में भी न्यू ईयर ईव को पूरे जोश-ओ-खरोश के साथ सेलिब्रेट किया जाता है। देश के अलग-अलग स्थानों, खासकर टूरिस्ट प्लेसेस पर कैसी हो रही न्यू ईयर ईव के जश्न की तैयारी, आप जरूर जानना चाहेंगे।

न्यू ईयर ईव का जश्न हो रही तैयारी जोरदार

काउंटडाउन, यही है गोवा के न्यू ईयर ईव के जश्न का जलवा। गोवा प्रायः हर साल ही देश में खासतौर पर जश्न-ए-विदाई का मेन सेंटर बन जाता है।

मुंबई सपनों के शहर में शानदार स्वागत: गेट वे ऑफ इंडिया की भव्य लाइटिंग, मरीन ड्राइव के किनारे लोगों का हजूम और क्लबों में थिरकती थीम पार्टियां। मुंबई 2025 की विदाई के लिए क्रिस्टल काउंटडाउन थीम डिजाइन की गई है। न्यूऑन सेटअप, हाई वोल्टेज म्यूजिक और मध्य रात की आतिशबाजियां मिलकर, इस शहर की तेज रफ्तार



जिंदगी को कुछ और ही रहस्यमयी रौनक से लबरेज करती है। यहां सिर्फ पार्टियां ही नहीं होतीं, एक ग्लोबल टेवर के साथ नए साल का सेलिब्रेशन भी संपन्न होता है।

पुडुचेरी सौम्य-संस्कारों भरी विदाई: जो लोग शांति और सौम्यता में खुशी का एहसास करना चाहते हैं, उनके लिए उपयुक्त जगह है पुडुचेरी। पुडुचेरी भी साल 2025 की विदाई पार्टियों की तैयारी जोर-शोर से पूरी करने में लगा है। फ्रेंच क्वार्टर्स में जैज नाइट्स, आश्रमों में मेडिटेशन संध्या और रॉक बीच पर कैडल-लिट-वॉक, ये सब यहां की न्यू ईयर हलचल को एक अलग ही रंग देते हैं। यहां का जश्न उन लोगों की पहली पसंद होता है, जो साल का स्वागत शोर से नहीं, अपने भीतर की गुंजती शांति और दमकती आभा के साथ करना चाहते हैं।



में बैंगलुरु युवाओं का शहर कहा जाने लगा है और यह हर बार पुराने नियम तोड़कर नए नियम गढ़ता है। इस बार भी इसकी नए साल के जश्न की तैयारी भरपूर हो चुकी है। देश के सिविलिकॉन वैली कहे जाने वाले इस शहर में ओपन एयर वेन्यू और रूफ टॉप पर इंटी बैड्स पार्टियों की भरपूर तैयारी है। लाइव डीजे सेट, क्रॉफ्ट बुअरी नाइट तैयारियां अपने चरम पर हैं। टेक सिटी का यह अंदाज यहां आने वाले मेहमानों को याद दिलाता है कि नया साल सिर्फ पार्टी नहीं, एक नया और युवा जोश का जश्न है। *



शिमला-मनाली बर्फ की चादर में खुशियों के रंग: उत्तर भारत के पर्वतीय शहरों में शिमला जैसा नए साल के उत्सव का जलवा किसी दूसरे शहर को नसीब नहीं है। इस बार यहां स्नो फेयरेवेल नाइट्स की जोरदार तैयारियां शुरू हो चुकी हैं। शिमला का ही एक्सटेंशन मनाली को माना जाता है। इसलिए इसे शिमला-मनाली जश्न की संज्ञा दी जाती है। यहां 31 दिसंबर की रात अकसर बर्फबारी होती है और यही इस जश्न का क्लाइमेक्स होता है। बर्फबारी के बीच अलाव, मध्यम संगीत और लमजरी कैप, मनाली-शिमला जश्न के रंग बिलकुल अलग हैं। यहां न्यू ईयर की पार्टियों का जश्न दिलों में गमाईश भरता है, जिसे शब्द बयां नहीं कर सकते।



बैंगलुरु तारों की छांव में संगीतमय विदाई: हाल के वर्षों में बैंगलुरु युवाओं का शहर कहा जाने लगा है और यह हर बार पुराने नियम तोड़कर नए नियम गढ़ता है। इस बार भी इसकी नए साल के जश्न की तैयारी भरपूर हो चुकी है। देश के सिविलिकॉन वैली कहे जाने वाले इस शहर में ओपन एयर वेन्यू और रूफ टॉप पर इंटी बैड्स पार्टियों की भरपूर तैयारी है। लाइव डीजे सेट, क्रॉफ्ट बुअरी नाइट तैयारियां अपने चरम पर हैं। टेक सिटी का यह अंदाज यहां आने वाले मेहमानों को याद दिलाता है कि नया साल सिर्फ पार्टी नहीं, एक नया और युवा जोश का जश्न है। *

तब न्यू ईयर बन जाएगा हेल्दी-हैप्पी-सक्सेसफुल



संज्ञेन / अंजु जैन

जाता हुआ साल हमारे मन में कुछ शिकायतों और अधूरी उम्मीदें छोड़ जाता है। बीता हुआ वक्त तो वापस आ नहीं सकता, इसलिए उसके बारे में सोचकर परेशान होने की बजाय हम बीते साल की कमियों और गलतियों की समीक्षा करें और आने वाले साल उन्हें सुधार लें तो हम नव वर्ष को हैप्पी बना सकते हैं।

रिलेशनशिप में बनी रहे गर्माहट

हमारे रिश्ते-द्वंद रहने वाले मित्र, परिवार के सदस्य, रिश्तेदार, सहकर्मी, सहपाठी, बिजनेस पार्टनर और पड़ोसी आदि हमारे जीवन को काफी हद तक प्रभावित करते हैं। इन सारे रिश्तों पर

सरसरी तौर पर नजर डालें और समीक्षा करें। विचार करें कि आपने इनके लिए पूरे साल क्या किया और बदले में उन्होंने आपके साथ क्या व्यवहार किया? **एक्शन:** नए साल में इन सारे रिश्तों को आप प्राथमिकता के आधार पर कैटेगरीज करें। जिनसे आपको नेगेटिव रिएक्शन मिला, उन्हें सबसे निचले पायदान पर रखें। सहयोगी, स्नेहिल और केयरिंग लोगों को सर्वोच्च प्राथमिकता की श्रेणी में रखें। तय कर लें कि इस साल आपको सिर्फ पॉजिटिव एटीट्यूड और सपोर्टिंग नेचर वाले रिलेशंस को मॉटेन करने में ही अपनी एनर्जी का उपयोग करना है। इससे आप साल भर इमोशनली खुश रहेंगे, आपका सपोर्ट सिस्टम स्ट्रॉन्ग होगा और रिश्ते भी इंप्रूव होंगे।

फिजिकल-मेंटल हेल्थ का रखें ध्यान

अपनी हेल्थ को लेकर खुद से कुछ बुनियादी सवाल पूछें। आपने अंतिम बार कब अपना बीपी चेक करवाया था? आपके हार्ट की हेल्थ का क्या हाल है? क्या आप मॉर्निंग वॉक, वर्कआउट या किसी फिजिकल एक्टिविटी में इंगेज्ड हैं? क्या आपको रात को ठीक से नींद नहीं आती है? इन सवालों के जवाब इमानदारी से दें और अगर जवाब निराशाजनक हैं, तो अब आपको एलर्ट हो जाना चाहिए। **एक्शन:** इस बात का इंतजार न करें कि आपको बड़ी बीमारी घेर ले। ज्यादा देर न करके साल की शुरूआत में ही अपने जनरल फिजिशियन से मिलें और अपना हेल्थ चेक करवाएं। पक्का निश्चय कर लें कि आप रोज 30 मिनट किसी न किसी प्रकार की फिजिकल एक्टिविटी में जरूर इंगेज्ड होंगे।

नया साल शुरू होने में कुछ ही दिन बचे हैं। आप जरूर सोच रहे होंगे कि आने वाले साल में ऐसा क्या करें, जिससे पूरा साल आपके लिए हेल्दी, हैप्पी और सक्सेसफुल साबित हो। हम दे रहे हैं, इससे रिलेटेड सजेरांस।

स्मार्टफोन का सीमित और जरूरी प्रयोग करेंगे और नरेश से दूर रहेंगे। मेडिटेशन से मानसिक स्वास्थ्य भी दुरुस्त रखेंगे।

फाइनेंस इश्यूज को ना करें इग्नोर

हर नए साल में आपको चाहिए कि आप अपनी वित्तीय स्थिति पर गंभीरतापूर्वक विचार करें। वित्तीय रूप से सुस्थित भविष्य के लिए फाइनेंस इश्यूज को इग्नोर ना करें। **एक्शन:** फाइनेंस से जुड़े अपने कमजोर पहलुओं को समझें। इस साल के लिए कुछ वित्तीय लक्ष्य निर्धारित करें और उन्हें हासिल करने की प्लानिंग भी बनाएं। घर में सबके लिए हेल्थ इश्यूज और अपने लिए रिटायरमेंट प्लान सुनिश्चित करें।

करियर को दें नई दिशा

अगर बीते साल आपका करियर आपकी उम्मीदों के मुताबिक परिणाम देने वाला नहीं रहा। आपकी नई जॉब पाने की कोशिश असफल हो गई। ऐसे में वक्त है एलर्ट होने का। **एक्शन:** नए साल में आपका करियर और आत्मविश्वास डांबाडोल न रहें, इसके लिए सबसे पहले खुद को अपडेट करें। अपने प्रोफेशन से जुड़ी नवीनतम जानकारियां हासिल करें। कोई नई स्किल सीखें। अपनी पर्सनालिटी में निखार लाएं। कम्यूनिकेशन स्किल इंप्रूव करें। अपना रेज्यूमे अच्छी तरह से दोबारा तैयार करें। लगातार जॉब हंटिंग करते रहें। अपने बॉस और क्लाइंट के साथ रिश्तों को सुधारें।



करें। कोई नई स्किल सीखें। अपनी पर्सनालिटी में निखार लाएं। कम्यूनिकेशन स्किल इंप्रूव करें। अपना रेज्यूमे अच्छी तरह से दोबारा तैयार करें। लगातार जॉब हंटिंग करते रहें। अपने बॉस और क्लाइंट के साथ रिश्तों को सुधारें।

सबसे जरूरी है आत्मसंतुष्टि

अगर आपने पूरा वक्त सिर्फ दूसरों को खुश करने में बिता दिया तो समझ लीजिए कि आपने जिंदगी को बिताया है, जिया नहीं है। जिंदगी आपकी है, इसलिए आपको खुद को खुश करने का पूरा हक है। **एक्शन:** हर रोज कम से कम दो घंटे अपनी खुशी के लिए कुछ करें। चाहे वह आपकी हॉबीज को अटेंड करने की बात हो या फिर अपने अरमान पूरे करने की। हर किसी को खुश करने की आदत छोड़ें और सिर्फ उनकी परवाह करें जिनके नाराज होने से आपको वाकई फर्क पड़ता हो। बस, इन बातों का ध्यान रखकर, इन्हें अमूल में लाकर आप अपने नए साल को खुशहाल बना सकते हैं। *

किसी देश की तरक्की मापने का एक पैमाना यह भी होता है कि उस देश ने विज्ञान और प्रौद्योगिकी के क्षेत्र में कितनी तरक्की की है? भारत के लिए विज्ञान-प्रौद्योगिकी के क्षेत्र में स्टाइम उपलब्धियों से भरा रहा साल 2025। इस वर्ष देश की उपलब्धियों पर एक नजर।

साइंस और टेक्नोलॉजी-2025 साल की शानदार अचीवमेंट्स



साइंस-टेक

संज्ञेन श्रीवास्तव

इस साल हमने दुनिया को यह दिखा दिया कि विज्ञान, तकनीक और उससे जुड़े क्षेत्रों में प्रगति के मामले में हम किसी के कम नहीं। इस साल देश ने विज्ञान, तकनीक, पर्यावरण तथा कृषि जैसे क्षेत्रों में जो उपलब्धियां हासिल कीं वे अभूतपूर्व हैं। भारत विज्ञान, प्रौद्योगिकी तथा संबंधित क्षेत्रों में जिस तरह प्रगति कर रहा है, जल्द ही वह संसार के चुनिंदा विकसित देशों की बराबरी करने लगेगा। बेशक इसमें सरकार की नीतियों, हमारे वैज्ञानिकों और संस्थाओं का सम्मिलित प्रयास शामिल है लेकिन हमें अपने शिक्षा संस्थानों का योगदान भी नहीं भूलना चाहिए।

शुभांशु शुक्ला ने किया गौरवान्वित: शुभांशु शुक्ला इस वर्ष देश ही नहीं, दुनिया भर में चर्चा के केंद्र में रहे। एक्सओम-4 मिशन का हिस्सा बने भारतीय अंतरिक्ष यान शुभांशु शुक्ला अंतरराष्ट्रीय अंतरिक्ष स्टेशन की यात्रा करने वाले पहले भारतीय बने।

युवा प्रतिभाओं की भूमिका पर जोर: इस बार राष्ट्रीय विज्ञान दिवस का विषय था, 'विकसित भारत के लिए विज्ञान और नवाचार में वैश्विक नेतृत्व हेतु भारतीय युवाओं को सशक्त करना'। यह देखना सुखद था कि सरकार ने इस नारे के उद्देश्य को जमीन पर उतारा तथा युवा प्रतिभाओं की भूमिका पर जोर दिया। इसके चलते नवाचारों में उल्लेखनीय बढ़त दिखाई। सरकार का सबसे ज्यादा जोर सेमीकंडक्टर और इलेक्ट्रॉनिक्स विनिर्माण, एआई तथा अन्य महत्वपूर्ण उभरती प्रौद्योगिकियों पर रहा। सरकार ने वैश्विक आपूर्ति

श्रंखला में महत्वपूर्ण भूमिका निभाने और सामरिक आत्मनिर्भरता हासिल करने, अपनी चिप विनिर्माण क्षमता बढ़ाने के लिए भी भारी निवेश इस वर्ष किया।

नवाचार की दिशा में बड़े कदम: एआई और स्टार्टअप को समर्थन देने के लिए इस साल कई नीतियां और प्रोत्साहन कार्यक्रम लागू किए गए। एएसआईआरबी का नाम बदलकर 'विज्ञान और इंजीनियरिंग अनुसंधान बोर्ड और नवाचार', यानी 'एसआरबीआई' कर दिया गया। अब यह अकादमिक अनुसंधान को वित्तपोषित करने के साथ-साथ बाजार-आधारित नवाचारों को भी बढ़ावा दे रहा है। इसका नतीजा भी इसी साल

दिखा, देश ने अंतरिक्ष मिशनों के लिए डिजाइन किया अपना पहला स्वदेशी 32-बिट माइक्रोप्रोसेसर 'विक्रम 32' विकसित और प्रदर्शित किया गया। यह उपलब्धि देश को सेमीकंडक्टर के क्षेत्र में आत्मनिर्भर बनाएगा। इससे देश अंतरिक्ष प्रौद्योगिकी और रक्षा प्रणालियों जैसे रणनीतिक क्षेत्रों में वैश्विक खिलाड़ी के रूप में स्थापित हो सकेगा। इसरो की उल्लेखनीय उपलब्धियां: हर साल की तरह अंतरिक्ष के क्षेत्र में भारतीय अंतरिक्ष अनुसंधान संगठन (इसरो) ने अपनी उपलब्धियों से देश को गौरवान्वित होने के कई अवसर दिए। इसरो ने इस वर्ष की शुरुआत में 16 जनवरी को, अपना पहला ऑन-ऑर्बिट डॉकिंग प्रयोग स्पेडैक्स सफलतापूर्वक पूरा किया, जिसके तहत लगभग 28,400 किमी प्रतिघंटा की गति से यात्रा करने वाले दो उपग्रहों को साथ

बॉलीवुड-2025 कैलाश सिंह

बीत रहे साल में जहां कुछ फिल्मों ने उम्मीद से अधिक सक्सेस हासिल की, वहीं कुछ बिग बजट-बैनर की फिल्मों में कोई कमाल नहीं दिखा सकी। फिल्मों के प्रति दर्शकों के टेस्ट में आए बदलाव की वजह से और इस साल रिलीज फिल्मों-ओटीटी शो पर एक नजर।

बीते कई सालों की तरह 2025 भी एंटरटेनमेंट इंडस्ट्री के लिए मिला-जुला रहा। कई बड़े बजट की फिल्मों फ्लॉप रहें तो कुछ छोटे बजट की फिल्मों भी सक्सेसफुल रहें। इस साल थिएटर में फिल्म देखने के संदर्भ में दर्शकों की घटती रुचि के बारे में कई प्रकार की चर्चाएं भी हुईं। सिनेमाघर मालिक सारे साल यह बहस करते रहे कि दर्शकों का थिएटर से दूर होने के पीछे का असल मुद्दा, फिल्मों का निरंतरता के साथ रिलीज न होना है। हाल के वर्षों में सात फिल्मों ने 500 करोड़ रुपए से अधिक की कमाई की, जिससे सिद्ध होता है कि अच्छी फिल्मों की मांग अब भी बहुत है। लेकिन जब एक के बाद दूसरी रिलीज में बहुत फायला बढ़ जाता है, तो दर्शकों की सिनेमाघर में आने की दिलचस्पी कम हो जाती है। विशेषज्ञों का कहना है

'धुरंधर' रही साल की सर्वाधिक सफल फिल्म कि अगर फिल्म निरंतरता के साथ रिलीज हों तो कंडीशन सुधर सकती है। कई वितरकों का तर्क है कि अधिक टेक्स के कारण टिकट्स के दाम बढ़ गए हैं, जिससे दर्शक सिनेमाघरों की तरफ कदम नहीं बढ़ा रहे हैं। **बदल रही दर्शकों की पसंद:** चेन्नई के एक कार्यक्रम में अभिनेता कमल हासन ने कहा, 'आज क्षेत्रीय, नया राष्ट्रीय बन गया है और देशज, नया अंतरराष्ट्रीय। जो कहानियां मधुर, मालापुरम, मांड्या या मछलीपट्टनम में जन्म ले रही हैं, वह अब क्षेत्रीय सिनेमा नहीं हैं, वे राष्ट्रीय सांस्कृतिक घटनाएं हैं। एक फिल्म जिसकी जड़ें तटीय कर्नाटक में हैं जैसे 'कांतारा', पूरे देश में पसंद की जाती है।' भारतीय मनोरंजन के बदलते लैंडस्केप और ओटीटी की बढ़ती प्रासंगिकता के बारे में हासन का कहना है, 'भारत का मीडिया और मनोरंजन बदल रहा है। आज की कहानियां वास्तव में दर्शक के साथ यात्रा करती हैं।' **नहीं चला कोई स्पेशल जॉनर:** इस साल दर्शकों द्वारा पसंद की गई फिल्मों की बात करें तो

इस साल थिएटर-ओटीटी पर किन फिल्मों ने मचाया धमाल

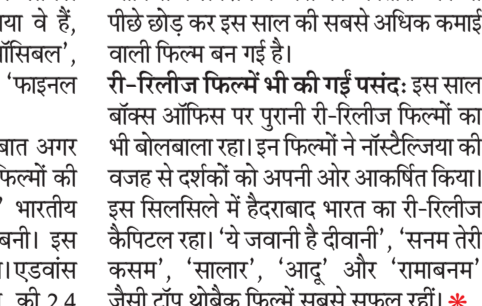


'सैयारा' दर्शकों ने खूब किया पसंद हॉरर जॉनर ने प्रभाव अवश्य छोड़ा, लेकिन किसी विशेष जॉनर ने सिनेमा में राज नहीं किया। गौरतलब है कि वर्ष 2025 में हॉलीवुड की अलग-अलग जॉनर की फिल्मों देश के विभिन्न हिस्सों में रिलीज की गईं, लेकिन अतीत की तरह किसी खास जॉनर- हॉरर, ड्रामा या सुपरहीरो ने सफलता की गारंटी नहीं दी। आज दर्शक बहुत अधिक चूजें हो गए हैं और सिनेमाघर में तभी जाते हैं, जब फिल्म उनकी उम्मीदों के अनुरूप हो। इस नजरिए से 'इंटरस्टेलर' के री-रिलीज को देख सकते हैं, जो भारत में 2025 में सबसे अधिक कमाई करने वाली हॉलीवुड फिल्म बनी और नई रिलीज से भी आगे निकल गई। 'इंटरस्टेलर' के अतिरिक्त जिन ग्लोबल कि अगर फिल्म निरंतरता के साथ रिलीज हों तो कंडीशन सुधर सकती है। कई वितरकों का तर्क है कि अधिक टेक्स के कारण टिकट्स के दाम बढ़ गए हैं, जिससे दर्शक सिनेमाघरों की तरफ कदम नहीं बढ़ा रहे हैं।

बदल रही दर्शकों की पसंद: चेन्नई के एक कार्यक्रम में अभिनेता कमल हासन ने कहा, 'आज क्षेत्रीय, नया राष्ट्रीय बन गया है और देशज, नया अंतरराष्ट्रीय। जो कहानियां मधुर, मालापुरम, मांड्या या मछलीपट्टनम में जन्म ले रही हैं, वह अब क्षेत्रीय सिनेमा नहीं हैं, वे राष्ट्रीय सांस्कृतिक घटनाएं हैं। एक फिल्म जिसकी जड़ें तटीय कर्नाटक में हैं जैसे 'कांतारा', पूरे देश में पसंद की जाती है।' भारतीय मनोरंजन के बदलते लैंडस्केप और ओटीटी की बढ़ती प्रासंगिकता के बारे में हासन का कहना है, 'भारत का मीडिया और मनोरंजन बदल रहा है। आज की कहानियां वास्तव में दर्शक के साथ यात्रा करती हैं।' **नहीं चला कोई स्पेशल जॉनर:** इस साल दर्शकों द्वारा पसंद की गई फिल्मों की बात करें तो

'कांतारा' साल की सबसे सफल फिल्मों में से एक मिलियन सीटें पहले से रिजर्व की गईं। अन्य फिल्मों, जिन्हें दर्शकों ने इस साल खूब पसंद किया वो थीं, 'छावा', 'सैयारा', 'महावतार नरसिम्हा', 'लोहा', 'युद्धरुम', 'वॉर-2', 'सितारे जमीन पर' और 'धुरंधर'। **बॉक्स ऑफिस कलेक्शन:** बॉक्स ऑफिस कलेक्शन के लिहाज से देखें तो दशहरे के सप्ताहंत पर सबसे ज्यादा फिल्में देखी गईं। उस दौरान 6.3 मिलियन टिकट बिके, जो फिल्मों अक्टूबर 2025 में रिलीज हुईं, उन्होंने घरेलू बॉक्स ऑफिस पर 1,669 करोड़ रुपए की कमाई की। जनवरी से अक्टूबर 2025 तक कुल मिलाकर 11,077 करोड़ रुपए की कमाई हुई, जोकि 2024 की इसी अवधि की तुलना में 24 प्रतिशत अधिक रही। अभी तक सबसे अधिक कमाई (735 करोड़ रुपए) 'कांतारा: ए लीजेंड चैप्टर 1' ने की। हालांकि 'धुरंधर', बॉक्स ऑफिस कलेक्शन के बेस पर 'कांतारा' को भी पीछे छोड़ कर इस साल की सबसे अधिक कमाई वाली फिल्म बन गई है।

री-रिलीज फिल्मों भी की गई पसंद: इस साल बॉक्स ऑफिस पर पुरानी री-रिलीज फिल्मों का भी बोलबाला रहा। इन फिल्मों ने नॉस्टैल्जिया की वजह से दर्शकों को अपनी ओर आकर्षित किया। इस सिलसिले में हैदराबाद भारत का री-रिलीज कैपिटल रहा। 'ये जवानी है दीवानी', 'सनम तेरी कसम', 'सातार', 'आदू' और 'रामाबनम' जैसी टॉप श्रेयक फिल्मों सबसे सफल रहीं। *



टॉप ट्रेडिंग ओटीटी शो

बीते कुछ वर्षों में एंटरटेनमेंट की एक उमंगान्तर बुनिया विकसित हुई है। इन दिनों थिएटर में रिलीज फिल्मों के साथ-साथ ओटीटी शो को भी दर्शकों का खूब प्यार मिल रहा है। 'द बीड्स ऑफ बॉलीवुड', 'ब्लैक वॉटर', 'पाताल लोक (सीजन 2)', 'पंचायत (सीजन 4)', 'मंडला मर्डर्स', 'खोफ', 'स्पेशल ऑप्स (सीजन 2)', 'आका: द बंगल चैप्टर', 'द फैमिली मैन (सीजन 3)' और 'किंगडम जस्टिस: ए फैमिली मैट' जैसे ओटीटी शो को दर्शकों ने खूब पसंद किया। दर्शकों को भाया 'द फैमिली मैन' (सीजन 3)